WWW.Kanchanujala.in | हिन्दी दैनिक | kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 274 | लखनऊ, बुधवार, 23 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

...बस आगे बढ़ती रहूंगी : आलिया

छात्रों को ध्यान में रखकर शिक्षा नीति बनाई गईः प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए बनायी गयी है और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इसमें नेशनल रिसर्च फाउंडेशन का प्रस्ताव दिया गया है जिसके तहत विज्ञान एवं विज्ञानेतर विषयों में अनुसंधान के लिए फण्ड उपलब्ध करवाए जाएंगे। श्री मोदी ने आज आईआईटी गुवाहाटी के 22वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भले ही कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से दीक्षांत समारोह का स्वरुप बदल गया है लेकिन फिर भी यह उतना ही खास है। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि राष्ट्र का भविष्य युवाओं की सोच पर निर्भर करता है, आज से आप सभी के सपने राष्ट्रनिर्माण की वास्तविकता को आकार देंगे। यह समय भविष्य के लिए तैयार रहने का है। उन्होंने कहा कि इस नीति को विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इसमें नेशनल रिसर्च फाउंडेशन का प्रस्ताव दिया गया है। इसके तहत विज्ञान एवं विज्ञानेतर विषयों में अनुसंधान के लिए फण्ड उपलब्ध करवाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर देश के लिए काफी अहम है, ऐसे में छात्रों की रिसर्च यहां नये रास्ते खोल सकती है इसलिए छात्रशक्ति को अपनी रिसर्च के द्वारा यहां की समस्याओं को दूर करना चाहिए। सोलर एनर्जी से टूरिज्म इंडस्ट्री और अन्य क्षेत्रों में छात्रों को काम करना चाहिए। उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी से अपील करते हुए कहा कि आप अपने यहां एक सेंटर बनाएं जो प्राकृतिक आपदाओं को लेकर काम करे और बचाव के उपाय निकालें। स्थानीय रिसर्च के साथ-साथ ग्लोबल टेक्नोलॉजी का भी ध्यान रखना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने आईआईटी गुवाहाटी को कोरोना काल में बेहतरीन काम करने के लिए और कोरोना से जुड़ी किट्स डेवलेप करने के लिए बधाई दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि आज आप सभी छात्र यहां से दुनिया के अलग-अलग हिस्से में न सिर्फ अपने संस्थान के बल्कि भारत के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों से पढ़े हुए छात्र दुनिया की शीर्षतम कंपनियों के सीईओ हैं और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है आप सब अपनी इच्छा शक्ति एवं पुरुषार्थ से यशस्वी प्रधानमंत्री के सशक्त, शिक्षित, समर्थ एवं आत्मनिर्भर भारत के विज़न को पूरा करेंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है चाहे वह रैंकिंग में हो या क्वालिटी एजूकेशन में, रिसर्च में हो या इनोवेशन में। आईआईटी गुवाहाटी ने हमेशा आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी ली है और ज्ञान, विज्ञान एवं अनुसंधान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी गुवाहाटी ने अपने ज्ञान रूपी प्रकाश से पूरे देश को प्रकाशित करता रहा है। उन्होंने रूरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप-नार्थ ईस्ट एवं टीईपीपी कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसकी वजह से हमारे गांवों तक तकनीक पहुंचाने में इन कार्यक्रमों ने अहम भूमिका निभाई है और इन्हें और मजबूत किया जाना चाहिए और नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के साथ पारंपरिक ज्ञान का अभिसरण होना चाहिए। डॉ निशंक ने कहा, ÷आज देश के पास मज़बूत एवं प्रभावी राष्ट्रीय नेतृत्व है, इच्छाशक्ति भी है, स्वेच्छा भी है, इसलिए हम निश्चित रूप से हर क्षेत्र में विजेता के तौर पर उभरेंगे चाहे वह शिक्षा नीति की सफलता हो या देश की प्रगति का प्रश्न।

पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मेल से विकसित करें नयी तकनीकः मोदी

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नयी तकनीक विकसित करने के लिए पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के सम्मिश्रण की ओर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के 22वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्र को बदलने में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेरा यह विश्वास है कि राष्ट्र का भविष्य वही है जो आज के युवाओं की सोच है। आपके सपने भारत की वास्तविकता को आकार देने वाले हैं। आज के युवाओं को भविष्य का निर्माण करना होगा। उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी के छात्रों के जीवन में उत्तर-पूर्व क्षेत्र के योगदान की ओर इशारा करते हुए आह्वान किया कि छात्र अपने शोध को इस क्षेत्र की संभावनाओं से जोड़ने का प्रयास करें और यह पता लगाएं कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का मेल किस तरह से नयी तकनीक विकसित करने में मदद कर सकता है। इससे क्षेत्र की विकास संभावनाओं पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव को दूर करने की दिशा में क्षेत्र में 'आपदा प्रबंधन केंद्र' का गठन करने की ओर ध्यान देने आकर्षित करने को कहा। उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्व भारत काफी संभावनाओं से भरा राज्य है लेकिन इसे बाढ़, भूकंप, भूस्खलन और औद्योगिक आपदाओं से भी दो-चार होना पड़ता है और सरकारों को इनसे निपटने में अपना काफी समय गुजारना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईआईटी-गुवाहाटी 'उच्च स्तर के तकनीकी गुणवत्ता प्रदान कर सकने' की दिशा में एक लंबा रास्ता तय कर सकता है और संस्थान से इस उद्देश्य के लिए एक केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने आईआईटी-गुवाहाटी की कोरोना महामारी से निपटने में विभिन्न किट और परीक्षण उपकरणों को विकसित करने में अपना योगदान देने की सराहना की।

मुठभेड़ में जैश का आतंकवादी मारा गया, जवान घायल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में मंगलवार को घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी मारा गया और सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ सोमवार रात शुरू हुई और अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी थी। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी आज सुबह मारा गया जबकि जवान सोमवार की रात में घायल हुआ था। नौहर्द में चदूरा चरार- ए- शरीफ में अभियान चलाये जाने के कारण हजरत शेख नूरुद्दीन वली की दरगाह तक जाने वाली सड़क को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान दल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने संयुक्त रूप से कल शाम नौहार्द तथा चरार ए शरीफी में घेराबंदी तथा तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल के जवान पूरे इलाके की घेराबंदी कर घर-घर तलाशी लेने के लिए जा रहे थे। सुरक्षा बलों के जवान जब आगे बढ़ रहे थे, तो एक मकान में छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गये हैं और जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए हैं, उसकी घेराबंदी कड़ी कर दी गयी है।

अकाली दल पंजाब में 25 सितंबर को करेगा चक्का जाम

चंडीगढ़, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किए गए कृषि विधेयकों के विरोध में मंगलवार को ऐलान किया कि वह पंजाबभर में 25 सितंबर को तीन घंटे तक श्चक्का जामश् रखेगा। एसएडी के प्रवक्ता और पूर्व मंत्री दलजीत चीमा ने कहा कि वरिष्ठ नेता अपने निर्वाचन क्षेत्रों और जिला मुख्यालयों में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक विरोध प्रदर्शन की अगुवाई करेंगे। शिअद के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार शाम को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और विवादास्पद कृषि विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह किया। बैठक से बाहर आकर एसएडी नेता सुखबीर बादल ने मीडिया को बताया, ष्हमने राष्ट्रपति से संसद में पारित किसान विरोधी बिलों पर हस्ताक्षर नहीं करने का अनुरोध किया है। हमने उनसे उन बिलों को संसद में वापस भेजने का अनुरोध किया है।

ताजमहल की तरह दुनिया को आकर्षित करेगी यूपी में फिल्म सिटी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी के सिलसिले में विचार विमर्श के लिये लखनऊ आये फिल्मी दुनिया की हस्तियों ने एक सुर में कहा कि उन्हे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की क्षमता पर पूरा भरोसा है और हिन्दी भाषी राज्य में प्रस्तावित फिल्म सिटी सफलता के नये आयाम स्थापित करेगी। रंगमंच और हिन्दी फिल्मों के मशहूर अभिनेता अनुपम खेर ने कहा आज का मौका उत्सव का है। श्री योगी की क्षमता पर सभी को भरोसा है। यूपी की फ़िल्म सिटी यूपी में तो होगी लेकिन पूरी दुनिया इसे अपना मानेगी। यह ताजमहल की तरह ही दुनिया भर को आकर्षित करने वाली होगी। इसकी स्थापना की पहली बैठक में आमंत्रित कर योगी ने हमें इतिहास में दर्ज कर दिया। उनके इस सपने को साकार करने में अगर मैं भी भागीदार हो सका तो यह मेरा सौभाग्य होगा। नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के चेयरमैन परेश रावल ने कहा फ़िल्म पटकथा लेखन को लेकर योगी कोई प्रयास करें तो बहुत सहायता मिलेगी। यह रीजनल सिनेमा को भी पुनर्जीवन देने वाला आयाम सिद्ध होगा। उत्तर प्रदेश फ़िल्म बन्धु के अध्यक्ष राजू श्रीवास्तव ने कहा श्री योगी ने फ़िल्म जगत को नया विकल्प देने की दिशा में कोशिश की है। यह छोटे-छोटे शहरों की अद्भुत प्रतिभाओं के हौसलों, सपनों को पंख देने वाला होगा। मैं हर समय, पूरी क्षमता के साथ सेवा के लिए प्रस्तुत रहूंगा। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपर स्टार रजनीकांत की पुत्री एवं अभिनेत्री सौंदर्या ने कहा भारत में अब भी एनिमेशन इंडस्ट्री नहीं है। आज की फिल्मों में इसका बड़ा असर है। योगी अगर इस दिशा में कोशिश हो, तो बड़ी सुविधा होगी। फ़िल्म सिटी की स्थापना की घोषणा के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को बहुत धन्यवाद। फिल्म अभिनेता मनोज जोशी ने कहा अद्भुत और अनुपम प्रयास है। पंजाबी, बंगाली, हिंदी, सहित 12 भारतीय भाषाओं के फिल्मोद्योग का महाद्वार होगी यह फ़िल्म सिटी। इसे इको-फ्रेंडली बनाने की कोशिश हो। आज ओटीटी प्लेटफार्म पर हिंदी पट्टी की कहानियां छायी हुई हैं। आज 70 फीसदी टेक्नीशियन उत्तर प्रदेश के हैं। रंग कर्म में यूपी अत्यंत समृद्ध है। इन सभी को आत्मनिर्भर बनाने में यह नवीन फ़िल्म सिटी अत्यंत उपयोगी हो सकती है। यह प्रदेश के औद्योगिक, पर्यटन विकास को नई दिशा प्रदान करने वाली होगी। भजन गायक अनूप जलोटा ने कहा बहुत अभिनन्दनीय प्रयास है। इसके लिए पूरी दुनिया के फ़िल्म सिटीज का अध्ययन किया जाना चाहिए।

उप्र में 31,661 शिक्षकों की भर्ती अधिसूचना के खिलाफ याचिका दायर

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 31 हजार 661 पदों पर एक सप्ताह के भीतर भर्ती कराने के लिए योगी सरकार द्वारा जारी अधिसूचना को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी है। सुश्री रितु रेनुवाल के जरिये दायर याचिका में राज्य सरकार द्वारा जारी भर्ती अधिसूचना पर रोक लगाने की मांग की है। सुश्री रेनुवाल उत्तर प्रदेश के शिक्षा मित्रों की वकील भी हैं। मुख्यमंत्री ने 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती के 31,661 पदों पर एक हफ्ते के भीतर नियुक्तियां करने का निर्देश दिया था। इसके बाद बेसिक शिक्षा विभाग पूरी तरह तैयारी में जुटा था और कहा गया था कि मुख्यमंत्री योगी आगामी दिनों में खुद चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटेंगे। अब इस फैसले के खिलाफ बीटीसी अभ्यर्थी शीर्ष अदालत पहुंच गये हैं।याचिका में कहा गया है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में शीर्ष अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

पूर्व डीएसपी दविंदर सिंह मामले में एनआईए ने कश्मीर में मारे छापे

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर के निलंबित पुलिस उप-अधीक्षक (डीएसपी) दविंदर सिंह और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी नवीद बाबू मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में कई स्थानों पर छापे मारे। एक एनआईए अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, एनआईए हिजबुल कमांडर नावेद बाबू-दविंदर सिंह डीएसपी मामले में बारामूला के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर रही है। यह भी पता चला है कि एजेंसी की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर वाजा मोहल्ला के रायपोरा फ्लहलां में रसूल वाजा के घर पर भी छापेमारी की है। वाजा, राज्य स्वास्थ्य विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वाजा का एक बेटा फारूक अहमद भी स्वास्थ्य विभाग में सरकारी कर्मचारी हैं। वहीं दूसरे बेटे मुश्ताक अहमद वाजा ने 1993 में अवैध हथियारों,गोला-बारूद का प्रशिक्षण लेने के लिए एलओसी पार की थी, तब से आज तक वह वापस नहीं लौटा है। एनआईए के ये छापे एक विशेष एनआईए अदालत में निलंबित डीएसपी समेत 6 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के लगभग तीन महीने बाद मारे गए हैं। आरोप पत्र में निलंबित डीएसपी के अलावा नावेद मुश्ताक उर्फनावेद बाबू, इरफान शफी मीर, रफी राथर, तनवीर अहमद वानी और सैयद इरफान का नाम है।निलंबित पुलिस अधिकारी जम्मू संभाग के हीरानगर में कठुआ जेल में बंद है। वहीं 2 एचएम आतंकवादियों नावेद बाबू और रफी अहमद राथर और इरफान शफी मीर को भी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पहले इस मामले की जांच जम्मू-कश्मीर पुलिस कर रही थी लेकिन सिंह की गिरफ्तारी के बाद मामले को एनआईए को सौंपा गया।

इस मामले में एनआईए द्वारा की गई जांच में पता चला है कि हिजबुल का पाकिस्तान स्थित नेतृत्व जिसमें सैयद सलाहुद्दीन, अमीर खान, खुर्शीद आलम, नजर महमूद समेत कई और लोग, पाकिस्तान के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठन के कैडर और कमांडरों को समर्थन दे रहे हैं। एनआईए ने यह भी दावा किया था।

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष ने किया राज्यसभा की कार्यवाही का बहिष्कार

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने राज्यसभा से निलंबित आठ सांसदों के निलंबन को रद्द करने और हाल ही में पारित कृषि सुधार विधेयक में संशोधन की मांग को लेकर आज सदन से बहिर्गमन किया और शेष सत्र का बहिष्कार करने की घोषणा की। सत्ता पक्ष ने निलंबित सदस्यों के आचरण की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उप सभापति मतविभाजन के लिए व्यवस्था बनाने की अपील करते रहे और सरकार भी विधेयकों पर मतविभाजन के लिए तैयार थी। सरकार की ओर ये यह भी कहा गया कि यदि निलंबित सदस्य खेद प्रकट करते हैं तो वह उन्हें सदन से बाहर रखने की जिद्द पर नहीं अड़ी है। सभापति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि उपसभापति हरिवंश ने विपक्षी सांसदों से सदन में व्यवस्था बनाये रखने की अपील करते हुए 13 बार मतविभाजन के लिए शांति बनाये रखने की अपील की। उन्होंने सदन का बहिष्कार करने वाले सदस्यों से कार्यवाही में हिस्सा लेने की अपील की। इससे पहले उप सभापति हरिवंश सोमवार दोपहर से संसद परिसर में धरने पर बैठे आठ निलंबित सांसदों के लिए सुबह चाय लेकर आये और उनके साथ बातचीत की। ये सदस्य रात भर धरने पर बैठे रहे। विपक्ष द्वारा शेष सत्र के लिए कार्यवाही का बहिष्कार किये जाने के बाद इन सदस्यों ने अपना धरना समाप्त कर दिया और वे भी सत्र के बहिष्कार में शामिल हो गये। सुबह विधायी कामकाज शुरू होने से पहले सदन में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि सरकार हाल ही में पारित कृषि विधेयकों में संशोधन कर यह प्रावधान करे कि निजी कंपनियां किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमत पर खरीद नहीं करेगी।

श्रमिक अधिकारों को मजबूत करने वाले तीन विधेयक लोकसभा से पारित

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्षी दलों की गैरमौजूदगी में श्रमिकों के कल्याण और उनके अधिकारों को मजबूत करने वाले सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 और उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता, 2020 विधेयक आज ध्वनिमत से पारित किये गये। तीनों विधेयक पेश होने से पहले ही कांग्रेस, द्रविड मुन्नेत्र कषगम, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी तथा समाजवादी पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों ने सरकार से किसान संबंधी विधेयक वापस लेने अथवा विधेयक में न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं हटाने की शर्त जोड़ने का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया लेकिन जब उनकी बात नहीं मानी गयी तो सभी विपक्षी दलों ने सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया था। केन्द्रीय श्रम रोजगार कल्याण राज्यमंत्री संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि वे लोग आज के इस ऐतिहासिक दिन के साक्षी बन रहे हैं, जहां श्रमिकों को 73 साल बाद उनकी सामाजिक सुरक्षा, कल्याण और अधिकारों की रक्षा को सुनिश्चित करने का प्रावधान किया जा रहा है। श्रमिकों के हितों के लिए कानून बनाना इसलिए संभव हो पा रहा है क्योंकि देश में एक जवाबदेह प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करते हुए श्रमिकों के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए हैं।

एक दिन में एक लाख से अधिक कोरोनामुक्त सक्रिय मामलों में भारी कमी

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या संक्रमण के नये मामलों से अधिक रहने का सिलसिला चौथे दिन भी जारी रहा और पिछले 24 घंटों के दौरान पहली बार एक लाख से अधिक लोगों ने इस महामारी को मात दी जिससे सक्रिय मामलों में भारी गिरावट आयी तथा उनकी संख्या 10 लाख से नीचे आ गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 1,01,468 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 44,97,868 हो गयी है। इससे पहले शनिवार को 95,880, रविवार को 94,612 और सोमवार को 93,356 लोग स्वस्थ हुए थे। संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 27,438 की कमी आयी है और अब यह 9,75,861 रह गयी है। सक्रिय मामले शनिवार को 3790, रविवार को 3140 और सोमवार को 7525 कम हुए थे। गत चार दिन में संक्रमण के नये मामलों में भी गिरावट का रुख दिखाई दिया है और पिछले 24 घंटे में 75,083 मामले सामने आये हैं जबकि कुछ दिन पहले इनकी दैनिक संख्या 95 हजार से अधिक थी। संक्रमितों की कुल संख्या 55,62,664 पर पहुंच गयी है। इसी अवधि में 1,053 मरीजों की मौत हो गयी जिससे संक्रमण से अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 88,935 हो गयी है। रोगमुक्त होने वालों की दर 80.86 प्रतिशत हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 17.54 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 1.60 फीसदी है। देश के 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 16,613 और दादर-नागर हवेली एवं दमन-दीव में सबसे कम नौ मरीज कम हुए हैं। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 16,613 कम होकर 2,75,017 रह गये हैं जबकि 344 लोगों की और मौत होने से मृतकों की संख्या 33,015 हो गयी है। इस दौरान 32,007 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 9,16,348 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2708 की कमी हुई है और राज्य में अब 95,354 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8145 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,23,377 लोग स्वस्थ हुए हैं।

बिहारः 15 दिनों पहले लापता छात्र का शव बरामद

गया, एजेंसी। बिहार के गया जिले के बोधगया थाना क्षेत्र से 15 दिनों पहले लापता 15 वर्षीय छात्र का शव मंगलवार को एक झाड़ी से बरामद किया गया है। शव पूरी तरह सड़ गया है। मृतक की पहचान उसके परिजनों ने उसके कपड़े से की है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि धंधवा रोड क्षेत्र के रहने वाला दसवीं कक्षा का छात्र शिवम सात सितंबर को घर से धोबी के यहां गया था, उसके बाद वह वापस घर लौटकर नहीं आया। घर वालों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद मृतक के पिता ने अपने पुत्र के लापता होने की लिखित शिकायत बोधगया थाना में दी। स्थानीय लोगों ने मंगलवार की सुबह एक शव होने की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने धंधवा क्षेत्र के एक निजी स्कूल के पीछे की झाड़ी से शव बरामद किया। परिजनों ने मृतक की पहचान उसके कपड़े से की है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बोधगया अजय प्रसाद ने बताया कि लापता शिवम का शव बरामद किया गया है।

भारत और चीन ने 14 घंटों तक सीमा विवाद पर चर्चा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद सुलझाने के लिए मोल्डो में 14 घंटे लंबी कूटनीतिक-सैन्य वार्ता की। दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता, विचार-विमर्श का विवरण अभी तक जारी नहीं किया गया है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि थे। वार्ता सोमवार सुबह 9 बजे शुरू हुई और रात 11 बजे समाप्त हुई। यह पहली बार था कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल में दो लेफ्टिनेंट जनरल, दो मेजर जनरल और विदेश मंत्रालय (एमईए) के एक संयुक्त सचिव थे। लेह स्थित 14 कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह के नेतृत्व में, भारतीय प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली में सेना मुख्यालय से लेफ्टिनेंट जनरल पी.जी.के. मेनन थे। मेनन नवंबर में लेह स्थित 14 कोर के कमांडर का पदभार संभालेंगे। संयुक्त सचिव नवीन श्रीवास्तव, (पूर्वी एशिया) की उपस्थिति यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि चीन के साथ वार्ता दोनों देशों के बीच सहमति बनी पांच-बिंदु रोडमैप पर हो, जिसमें सैनिकों को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएससी) से फौरन पीछे हटाना भी शामिल है। 10 सितंबर को रूस के मॉस्को में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच वार्ता के दौरान दोनों देश पांच-सूत्रीय रोडमैप पर सहमत हुए थे। प्रतिनिधिमंडल में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के इंस्पेक्टर जनरल दीपम सेठ और चार ब्रिगेडियर भी थे। यह कोर कमांडर स्तर की चर्चा का छठा दौर था। अगस्त में, कोर कमांडर स्तर की चर्चा के पांचवें दौर के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने गतिरोध में सबसे बड़े फ्लैश पॉइंट पैंगोंग झील में मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श किया था।

ऐतिहासिक इमारतो से छेड़छाड़ पुलिस चौकी मे हो रहे अवैध निर्माण पर एसीएम ने भेजा नोटिस

❑ नवाब मीर जाफर अब्दुल्ला और प्रिसेस फरहाना मालिकी नें जताई नाराजगी ❑ इन्स्पेक्टर ने निर्माण को न नकारा बोले हो रही है रंगाई पुताई

लखनऊ, संवाददाता। ठाकुरगंज की सतखण्डा पुलिस चौकी मे चल रहे अवैध निर्माण को रोकने और प्रतिबन्धित क्षेत्र मे निर्माण किए जाने के सम्बन्ध मे सतखण्डा पुलिस चौकी के इन्चार्ज पवन कुमार मिश्रा को हुसैनाबाद एंव सम्बद्ध ट्रस्ट की तरफसे नोटिस भेजा गया। हुसैनाबाद एंव सम्बद्ध ट्रस्ट के प्रभारी अधिकारी उप जिला मजिस्ट्रेट अजय कुमार राय द्वारा चौकी इन्चार्ज को भेजे गए नोटिस का जवाब देने के लिए 2 दिनो का समय देते हुए कहा गया है कि ठाकुरगंज थाने की सतखण्डा पुलिस चौकी छोटे इमाम बाड़े के मध्य गेट की विस्तारित भवन मे स्थित है और ये भवन हुसैनाबाद एंव सम्बद्ध ट्रस्ट लखनऊ के नियन्त्रणाधीन है एंव भारतीय पुरातत्व विभाग अन्तर्गत भी पंजिकृत है। चौकी इन्चार्ज को हुसैनाबाद एंव सम्बद्ध ट्रस्ट की ओर से भेजे गए नोटिस मे कहा गया है कि आपके द्वारा हुसैनाबाद एंव सम्बद्ध ट्रस्ट पुरातत्व विभाग की सक्षम विधिक अनुमति के बगैर अवैध रूप से निर्माण करते हुए उसके वास्तविक स्वरूप को खुर्द बुर्द किया जा रहा है। नोटिस मे भारत के राजपत्र संख्या 13 का हवाला भी दिया गया है जिसमे साफ लिखा गया है कि पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित इमारतो के 2 सौ मीटर की परिधि मे किसी भी तरह के निर्माण पर बिना अनुमति निर्माण किया जाना अवैध है। नोटिस मे कहा गया है कि आपके द्वारा व्यक्तिगत रूचि लेकर मनमाने तरीके से भारतीय पुरातत्व द्वारा संरक्षित तथा हुसैनाबाद एंव सम्बद्ध ट्रस्ट लखनऊ द्वारा अभिरक्षित इमारत,पुरातविक भवन जिसके मूल स्वरूप मे किसी प्रकार का परिवर्तन उपरोक्ताकिंत राजपत्र द्वारा पूर्णतया निषिद्ध है की अन्देखी करते हुए मरम्मत एंव निर्माण का काम किया गया है जिसके लिए नोटिस मे चौकी इन्चार्ज सतखण्डा पवन कुमार मिश्रा को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस सम्बन्ध में इन्स्पेक्टर ठाकुरगंज राज कुमार का कहना है कि पुलिस चौकी मे किसी तरह का निर्माण नही हो रहा है बल्कि रंगाई पुताई हो रही है उन्होने नोटिस प्राप्त होने की बात कहते हुए कहा है कि हमने नोटिस का जवाब दे दिया है। आपको बता दे कि ठाकुरगंज थाने की सतखण्डा पुलिस चौकी छोटे इमाम बाड़े के मध्य गेट के बराबर मे स्थित सहनची मे स्थित है इस सहनची मे कभी चाय का होटल हुआ करता था सतखण्डा पुलिस चौकी के सामने ऐतिहासिक सतखण्डा और घण्टा घर भी है सतखण्डा पुलिस चौकी के अन्दर चल रहे निर्माण के सम्बन्ध मे नवाबीने अवध एंव अफहाम-ए-जमा सोसाईटी के संरक्षक नवाब मीर जाफर अब्दुल्ला ने भी ऐतराज जताते हुए कहा है कि ऐतिहासिक इमारतो के मूल स्वरूप को बदला नही जा सकता है उन्होने कहा कि ऐतिहासिक इमारत मे पुलिस चौकी होना ही नही चाहिए उन्होने बताया कि ऐंतिहासिक इमारतो से छेड़छाड़ के सम्बन्ध मे वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने माननीय न्यायालय मे याचिका दायर की है उन्होने सतखण्डा पुलिस चौकी के अन्दर पुलिस द्वारा करवाए जा रहे निर्माण को रोके जाने की बात भी कही है। इस सम्बन्ध मे बेगमात रायल फैमिली आफ अवध की अध्यक्ष प्रिसेंस फरहाना मालिकी का कहना है कि पुलिस ऐतिहासिक इमारत के मूल स्वरूप मे छेड़छाड़ कर अवैध निर्माण कर रही है और पुरातत्व विभाग सो रहा है उन्होने कहा कि पुरातत्व विभाग और हुसैनाबाद ट्रस्ट को इस सम्बन्ध मे कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए प्रिंसेस फरहाना मालिकी ने कहा कि हुसैनाबाद ट्रस्ट के जिलाधिकारी चेयरमैन है और एडीएम सचिव है उन्हे भी इस गम्भीर प्रकरण का संज्ञान लेना चाहिए।

किसी भी म्यूजियम का नाम बदलना नासमझी की निशानीः प्रो. मुहम्मद सुलेमान

लखनऊ, संवाददाता। इंडियन नेशनल लीग के राज्य कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो0 मुहम्मद सुलेमान ने की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी पर हमला किया और कहा कि उन्हें इतिहास की जानकारी नहीं है। और न ही वे जानते हैं कि कोई भी म्यूजियम जिसके नाम से होता है उसमे सके यादगार और निशानियां होती हैं, नाम शिवाजी है, और अंदर निशानियां मुगलों की है। जिससे घूमने आने वाले विदेशी अंदर मुगलों के संकेत देख कर वे भ्रमित होंगे कि शिवाजी संग्रहालय में मुगलों के अवशेष हैं। तो वह महाराष्ट्र जाएगा, वह पुणे में शिवजी के संग्रहालय में जाएगा। हाजी फहीम सिद्दीकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ गई है।

योगी ने की उपसभापति हरिवंश नारायण की तारीफ कहा आपने पेश किया प्रेरणास्पद उदाहरण

लखनऊ, संवाददाता। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह आज सुबह उन सांसदों के लिए चाय लेकर पहुंचे जो संसद भवन में गांधी जी की प्रतिमा के पास निलंबन के खिलाफधरने पर बैठे हैं। उपसभापति के इस कदम की हर कोई तारीफ कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश है... अपमान पर उत्तेजित होने के स्थान पर स्वयं को संतुलित रखना ही श्रेयस्कर है। सीएम योगी ने ट्वीट कर कहा कि यही धर्म है। राज्यसभा के मा. उप सभापति हरिवंश जी ने अपमान के प्रतिउत्तर में प्रेम और आदर का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अनुपम है, प्रेरणास्पद है। सबको सन्मति दे भगवान! बता दें इन सांसदों को सभापति वेंकैया नायडू ने सदन में हंगामा करने और उपसभापति से बदसलूकी के लिए सस्पेंड किया था। इसके बाद से ही सभी निलंबित सांसद धरने पर बैठे हैं।

अखिलेश का योगी पर तंज कहा सपा काल की फिल्म सिटी का श्रेय ले रही बीजेपी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नोएडा में फिल्म सिटी के निर्माण के सिलसिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को फिल्मी हस्तियों की डिजिटल बैठक पर तंज करते हुए कहा कि यह फ्लॉप पिक्चर अब उतरने वाली है। अखिलेश ने फिल्म सिटी को अपने कार्यकाल की उपलब्धि बताते हुए एक ट्वीट में कहा,अब सपा काल की फिल्म सिटी का श्रेय लेने के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार कैंची लेकर फीता काटने को तैयार खड़ी है। अब न तो उनके अभिनेता का अभिनय काम आ रहा है, न ही कोई डॉयलाग। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर इसी ट्वीट में कहा, उनकी फ्लॉप पिक्चर उतरने वाली है क्योंकि प्रदेश की असली तस्वीर बनाने वालों की एडवांस बुकिंग हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा में फिल्म सिटी को लेकर फिल्मी हस्तियों के साथ डिजिटल बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में अनुपम खेर, सुभाष घई, सतीश कौशिक, डेविड धवन, प्रियदर्शन और कैलाश खेर समेत बड़ी संख्या में फिल्म निर्देशक एवं कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतम बुद्ध नगर में देश की सबसे बड़ी फिल्म सिटी के निर्माण की घोषणा की है। यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण ने सोमवार को इस सिलसिले में राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। फिल्म सिटी के निर्माण के लिए 1000 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है।

यूपीएसएसएससी 2018 भर्ती को लेकर प्रदर्शन, अभ्यर्थी बोले- परिणाम के 13 महीने बाद भी नहीं मिली नियुक्ति

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में नई भर्तियां तो हो रही हैं, लेकिन पुरानी भर्तियों में नियुक्ति पाने के लिए अभ्यर्थियों की जद्दोजहद अभी तक जारी है। इसी कड़ी में 2018 में यूपीएसएसएससी के लिए निकली भर्ती को लेकर ग्राम विकास अधिकारी अभ्यर्थियों ने पिकअप भवन पर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि परीक्षा के रिजल्ट के 13 महीने के बाद भी उन्हें नियुक्ति नहीं मिली है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि अधिकारियों की लापरवाही से भर्ती लटकी है। जिसके चलते नियुक्ति ओएमआर में गड़बड़ी को लेकर एसआईटी जांच चल रही है। प्रदर्शन कर रहे एक अभ्यर्थी ने कहा कि 2018 में चार पारियों में यूपीएसएसएससी की परीक्षा हुई। जिसके बाद उसका रिजल्ट आया, लेकिन रिजल्ट के आने 13 महीने बाद भी उन्हें नियुक्ति नहीं मिली है।

प्रेमिका से धोखा खाये सिरफिरे आशिक ने लखनऊ पुलिस को खूब छकाया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के हसनगंज थाना क्षेत्र के हनुमान सेतु गोमती ब्रिज पर प्रेमिका से धोखा खाया एक सिरफिरा आशिक गोमती में छलांग लगाने पहुंच गया और घंटो पुलिस को छकाता रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रेमिका से मिलाने का वादा करके किसी तरह मनाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला प्यार और धोखे का है। एडीसीपी उत्तरी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि दीपक विकास नगर थाना क्षेत्र में पड़ने वाले बटहा सबौली का रहने वाला है। दीपक का आरोप है कि वह बटहा सबोली की ही रहने वाली एक युवती से प्रेम करता है। आरोप है कि युवती ने उससे प्रेम के जाल में फंसाया और जमकर उसकी कमाई उड़ाई। जब बाद में उसके पास कुछ नहीं बचा तो युवती ने उसे छोड़ दिया।

भाजपा सब कुछ निजी क्षेत्र को सौंपने में लगी अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की छल प्रपंच और झूठ की रीतिनीति ने राजनीतिक शुचिता और लोकतंत्र पर गहरा आघात किया है। किसानों के हितों पर चोट करने और उनकी किस्मत कारपोरेट घरानों को सौंपने में उसे जरा भी हिचक नहीं होती है। केन्द्र में संसद हो या प्रदेश में विधान परिषद दोनों जगह विपक्ष पर अपने बहुमत का रोडरोलर चलाकर वह लोकलाज से भी हाथ धो बैठी है। भाजपा तर्क से भागती है और विपक्ष की आपत्तियों का जवाब देने के बजाय बुनियादी मुद्दों पर भ्रमित करने का काम करती है। उत्तर प्रदेश की विधान परिषद में विपक्ष का बहुमत है किन्तु अभी पिछले दिनों इसकी बैठकें समाप्त होने से पूर्व कई बिल बिना बहस के विपक्ष की तमाम आपत्तियों को अनसुना करते हुए, आश्चर्यजनक रूप से पास करा लिए गए।

गायत्री को राहतः स्पेशल कोर्ट द्वारा सरकार का पुनरीक्षण खारिज

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर और उनके पति आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर को गाजियाबाद की एक महिला की सहायता से फर्जी रेप केस सहित अन्य फर्जी मुकदमों में फंसाए जाने के मामले में पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति को स्पेशल कोर्ट से राहत मिली है,थाना गोमतीनगर में दर्ज इस मुकदमे में नूतन ने उन्हें और उनके पति को महिला आयोग के सदस्यों की सहायता से फर्जी फंसाने के प्रयास का आरोप लगाया था जिसपर पुलिस ने 13 जुलाई 2015 को अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी. सीजेएम ने अपने आदेश 22 दिसंबर 2015 द्वारा खारिज करते हुए पुनार्विवेचना के आदेश दिए थे, जिसके बाद पुलिस ने श्री प्रजापति के खिलाफधारा 467, 468, 471, 420, 203, 211 व 120बी आईपीसी में आरोपपत्र भेजा था, सीजेएम लखनऊ ने 31 जुलाई 2017 को मामले का संज्ञान लेते हुए कहा था कि केस की पत्रावली और इस केस के समस्त केस डायरी से उनके विरुद्ध धारा 467, 468, 471, 420, 203 आईपीसी का अपराध साबित नहीं होता है. अतः कोर्ट ने मात्र धारा 211 व 120बी आईपीसी में आरोप पर संज्ञान लिया था,राज्य सरकार ने इस फैसले को सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी. विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए पवन कुमार राय ने सरकार ने पुनरीक्षण वाद को खारिज कर दिया, स्पेशल कोर्ट ने कहा कि पुनरीक्षण वाद में सरकार द्वारा दायर किये गए पुनरीक्षण वाद में बल नहीं है. कोर्ट ने कहा कि सीजेएम द्वारा पारित आदेश एफआईआर में लगाये गए आरोपों तथा विवेचक द्वारा विवेचना में संकलित साक्ष्य के आधार पर पारित किया गया था और उस आदेश में कोई अशुद्धता या त्रुटि नहीं है. अतः स्पेशल कोर्ट ने सीजेएम कोर्ट के आदेश में कोई हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होने के कारण पुनरीक्षण वाद को खारिज करते हुए सीजेएम के आदेश दिनांक 31 जुलाई 2017 को सही करार दिया. इस प्रकार अब श्री प्रजापति के खिलाफ इस मामले में मात्र धारा 211 व 120बी आईपीसी में ही मुकदमा चलेगा।

दुगांवा क्षेत्र में घर-घर में बाईपास से हो रही बिजली चोरी

दुगांवा में सैकड़ों घरों में अभी भी अन्दर ही लगे है मीटर

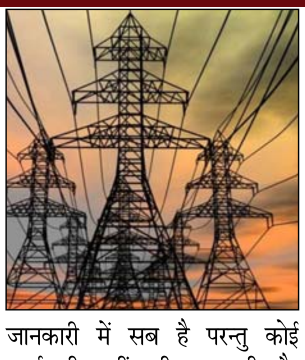

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ उर्जा मंत्री लाइनलॉस कम करने के लिये अधिकारियों को निर्देश दे रहे है। वही दूसरी तरफ अधिकारी अपने एसी कमरों में बैठ कर केवल चर्चा करने में लगे है। अपने ही क्षेत्र में हो रही बिजली की चोरी को रोक पाने में अक्षम साबित हो रहे है। अमीनाबाद उप-खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत ही चरस मण्डी, फतेहगंज, हरी नगर, दुगांवा में ही अधिकारी और कर्मचारी अपने क्षेत्र की बिजली की चोरी नहीं रोक पा रहे है। गलियों वाले इलाके में जमकर बिजली की चोरी हो रही है। इससे विभाग को करोड़ों रूपयों का चूना प्रतिमाह लग रहा है। एक एक घर में मात्र दो किलोवाट के कनेक्शन पर दो से तीन एसी चल रहे है। कर्मचारियों की जानकारी में सब है परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। कर्मचारियों की मिली-भगत से ही विभाग को प्रतिमाह चूना लग रहा है। क्षेत्र में बाहर मीटर लगाने के आदेश के बाद भी अभी तक सैकड़ों घरों में मीटर अन्दर ही लगे हुये है। लोगों ने अपने घरों के अन्दर मीटर के पास कट लगा रखे है। जिससे बाईपास से जमकर बिजली चोरी हो रही है। लॉकडाउन के पूर्व बिजली की चोरी की खबर अखबार में लगने के बाद सुबह के समय छापे पड़े भी थें। इस दौरान एक दर्जन घरों में चोरी पकड़ी भी गयी थी। परन्तु अब फिर पहले जैसी ही बिजली की चोरी हो रही है। विभाग के अभियन्ता अपने कमरों में ही बैठे रहते है। जब कभी निकलते है तो कर्मचारी पहले ही खबरदार कर देते है और लोग अपनी कटिया हटा लेते है। विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी और कर्मचारी केवल अपने ही क्षेत्र में ईमानदारी से घर-घर में मीटर के तारों की चेकिंग करें तो बिजली चोरी का बड़ा खेल सामने आ सकता है। बिजली की चोरी से हो रहे घाटे को पूरा करने के लिये ही विभाग को बिजली के दाम बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

मंत्री राजेश्वर सिंह को अधिकारी ने दी धमकी, कहा कमलेश तिवारी की तरह होगा तुम्हारा हश्र

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री राजेश्वर सिंह को धमकी देने का जान से मारने की धमकी मिली है। हैरत की बात ये है कि ये धमकी किसी और ने नहीं, बल्कि सहायक भंडारण अधिकारी द्वारा दी गई है। राजेश्वर सिंह को हिन्दू नेता कमलेश तिवारी की तरह हश्र भुगतने की धमकी दी गई है। जिसके चलते पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जिसके बाद दर्जा प्राप्त मंत्री ने बख्शी का तालाब थाने में सहायक भंडारण अधिकारी शकील अहमद के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई है। जांच के बाद शकील की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। इस मामले में राजेश्वर सिंह का कहना है, बीज भंडारण का निरीक्षण करने के लिए मैं बख्शी का तालाब क्षेत्र में निकला था. निरीक्षण के दौरान मैंने दो गोदामों की जांच भी की. जब मैं मेन गोदाम की जांच करने के लिए पहुंचा तो वहां गोदाम में ताला बंद था और सहायक भंडारण अधिकारी शकील अहमद मौके पर नहीं थे। मंत्री राजेश्वर सिंह ने कहा कि जब से मुझे बीज भंडार की जिम्मेदारी मिली है, तब से मैं लगातार निरीक्षण कर रहा हूं। इसी क्रम में बीकेटी स्थित संयंत्र में निरीक्षण करने पहुंचा था। यहां 23 साल से तैनात सहायक भंडार अधिकारी शकील अहमद मौके पर मौजूद नहीं थे। इसके बाद परियोजना अधिकारी एके राव ने शकील अहमद से करीब 8 बार बात की और उन्हें मौके पर पहुंचने को कहा गया। करीब ढाई घंटे तक मैं मौके पर था। इस बीच शकील अहमद लगातार बहाने बनाते रहे। वह कभी बताते कि मैं ऑफिस में हूं फिर कहते हैं कि रास्ते में हूं, फिर कहा कि गाड़ी पंचर हो गई है। इसके बाद फोन से मेरी बात शकील अहमद से करवाई गई। मंत्री ने कहा कि फोन पर शकील अहमद गाली गलौज करने लगा। शकील अहमद ने कहा कि ज्यादा भंडार व माल की जांच के चक्कर में पढ़ोगे तो तुम्हें जान से मारवा देंगे।

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छ रेलगाड़ी अभियान का संचालन जारी

लखनऊ, संवाददाता। निरंतरता से दिनांक 16.09.20 से दिनांक 30.09.20 तक आयोजित होने वाले स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल द्वारा स्वच्छता एवं साफ-सफाई संबंधी कार्यकलापों तथा गतिविधियों के अंतर्गत आज स्वच्छ रेलगाड़ी के रूप में आयोजित किया गया, मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ, श्री संजय त्रिपाठीके कुशल निर्देशन में स्वच्छ रेलगाड़ी की गतिविधि के अंतर्गत सम्पूर्ण मंडल पर प्रतिदिन आवागमन करने वाली विशेष गाड़ियों में स्वच्छता एवं साफ सफाई हेतु व्यापक स्तर पर अभियान को संचालित किया गया ,कचरे का यथासमय निस्तारण, वाशिंगलाइनो की स्वच्छता, यार्डो की साफ-सफाई सहित अन्य साफ सफाई के आदर्श मानकों को दृष्टिगत रखते हुए इस अभियान को संचालित किया गया, इस स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत मंडल स्तर पर समस्त स्थानों एवं स्थलों को चिन्हित करते हुए व्यापक स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रमों के आयोजनों प्रावधान किया गया है।

यूपी-बिहार के बीच दौड़ेंगी 166 रोडवेज बसें, दीवाली के आसपास से शुरू होगा संचालन

लखनऊ, संवाददाता। यूपी-बिहार के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। यूपी रोडवेज और बिहार परिवहन मिलकर दोनों राज्यों के बीच बसें चलाने जा रहा है। यूपी से 69 बसें चलेंगी तो बिहार से 97 बसों का संचालन होगा। ये बसें यूपी के 25 शहरों से बिहार के विभिन्न जनपदों के बीच चलेंगी। सितम्बर 2019 में हुए समझौते पर बसों का संचालन शुरू होगा। मार्च 2020 में बिहार पथ को पत्र भेजकर बस संचालन की तारीख तय करनी थी पर, लॉकडाऊन की वजह से बात नहीं हो सकी। अब दोनों राज्यों के बीच बैठक की तारीख तय होनी है। इसके लिए एक पत्र बिहार परिवहन को भेजा गया है ताकि बसों का संचालन दीवाली के आस-पास शुरू किया जा सके। मुख्य प्रधान प्रबंधक (संचालन) परिवहन निगम मुख्यालय लखनऊ ने बताया कि लखनऊ व वाराणसी से औरंगाबाद,आजमगढ़ से माझीघाट, बलिया व गोरखपुर से छपरा, बक्सर से उजियारघाट, गोरखपुर से मुजफ्फरपुर, वाराणसी व चंदौली से भभुवा, वाराणसी, देवरिया व बलिया से पटना, भदोही से दरभंगा, वाराणसी से गया, गोरखपुर से सिवान व मोतिहारी, गोरखपुर से रक्सौल, वाराणसी से डेहरी, रामनगर से भभुआ, वाराणसी से आरा, बलिया से भरौली, अलीनगर से डेहरी शामिल हैं। बैठक के बाद इन रूटों में बदलाव भी हो सकता है। दोनों राज्यों के बीच बस समझौते का सीधा फायदा यात्रियों तक पहुंचाने की तैयारी है। इसके लिए जल्द ही दोनों राज्यो के साथ बैठक करके अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इम्युनिटी बढ़ाने का जिम्मा संभाला लखनऊ के कॉफी हाउस ने

लखनऊ के कॉफी हाउस ने बेचना शुरू किया इम्युनिटी बूस्टर काढ़ा

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना ने इंसान की बहुत-सी आदतों में बदलाव कर दिया है। लोगों की पसन्द-नापसन्द बदल गयी है। जो पहले अच्छा लगता था, कोरोना काल में वही बहुत बुरा लगने लगा है और तब की बुरी बातें जरूरी लगने लगी हैं। नापसन्दगी की सूची से निकल कर जरूरत बन गयी चीजों की सूची में सबसे ऊपरी पायदान पर पहुंचने का जो कमाल काढ़े ने किया है, वैसा कमाल सिर्फ मॉस्क ही कर पाया है। जिन्हें काढ़ा कड़वा लगता था, उसके जिक्र से जिनके मुंह का स्वाद खराब हो जाता था, वे अब काढ़े के स्वास्थ्यवर्धक गुणों के मुरीद हो गये हैं। जब तक टीका नहीं आ जाता, कोरोना से बचने के लिए इम्युनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता-प्उउनदपजल) को कारगर हथियार माना जा रहा है। और डॉक्टर कह रहे हैं कि इम्युनिटी की तलवार काढ़े से ही धारदार बनेगी। लेकिन काढ़ा बनाना सबके बस की बात नहीं है। विभिन्न औषधियों की उचित मात्रा में नाप-जोख, फिर उनका पाउडर बनाना, फिर धीमी आंच पर घंटों पकाना, कौन इतना करना चाहता है? बना-बनाया काढ़ा मिल जाये तो क्या बात है। कई कम्पनियों ने काढ़े के विभिन्न अवयवों को उचित अनुपात में मिलाकर उनके पैकेट बेचने शुरू कर दिये हैं, लेकिन उसे घंटों पकाना अभी कुछ दुर्धर्ष काढ़ाप्रेमियों के ही वश की बात है। लखनऊ का कॉफी हाउस ऐसे लोगों के लिए मददगार बनकर आया है, जो काढ़े के गुणों के बारे में जानते हैं और जिन्हें काढ़ा पीना भी है, लेकिन वे काढ़ा बनाने के लिए लोहे के चने चबाने जैसी मेहनत नहीं कर सकते। हजरतगंज स्थित कॉफी हाउस ने कॉफी और चाय के साथ 'इम्युनिटी बूस्टर काढ़ा' भी सर्व करना शुरू कर दिया है। इस तरह यहां के मेन्यू परिवार में एक और सदस्य की बढ़ोतरी हो गयी है। कॉफी हाउस की संचालक संस्था कॉफी वर्कर्स को-आपरेटिव सोसायटी लि. की सचिव अरुणा सिंह कहती हैं कि यह काढ़ा सेवन करने वाले व्यक्ति की इम्युनिटी बढ़ाने में अवश्य ही कारगर साबित होगा, क्योंकि इस काढ़े में गिलोय और तुलसी समेत आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमन्य औषधियां ही इस्तेमाल की जाती हैं। चीनी की बजाय गुड़ का उपयोग करते हैं। वह कहती हैं कि कई बार ग्राहक को थोड़ी अधिक प्रतीक्षा करनी पड़ जाती है, क्योंकि यहां धीमी आंच पर काढ़ा बनाया जाता है, ताकि सभी औषधियां ठीक से पक जायें और उनके गुण काढ़े में आ जायें।यह पूछने पर कि काढ़ा बनाने में ज्यादा समय लगने पर लोग ऊब जाते होंगे, अरुणा सिंह ने कहा- कोरोना ने प्रतीक्षा करना सिखा दिया है।

भारतीय संसद को विनष्ट करने के प्रयास के विरूध्द मजबूती से प्रतिरोध दर्ज कराओ

क्रषि कानूनों के खिलाफकिसान संगठनों के 25 सितंबर के प्रतिरोध को संपूर्ण समर्थन प्रदान करो

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी, भाकपा, माले-लिबरेशन एवं आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के राज्य नेत्रत्व की एक आन लाइन बैठक आज संपन्न हुयी। बैठक में विचार विमर्श के उपरान्त पारित प्रस्ताव में कहा गया कि भाजपा सरकार द्वारा कानूनों को रौंद कर देश की खेती को गिरवी रखने के लिये सभी संसदीय प्रक्रियाओं और कायदे कानूनों को हवा में उड़ाने की कारगुजारियों की वामपंथी दल कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं। संसदीय लोकतन्त्र के इस विनष्टीकरण से फासीवाद के पूर्वाभास का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। राज्य सभा में मत विभाजन और मतदान की मांग करने वाले विपक्ष के सांसदों को निलंबित कर यदि भाजपा सोचती है कि वह विपक्ष का मुंह बंद कर देगी, तो वह दिन में सपने देख रही है। देश की जनता ने अनेक संघर्षों से लोकतन्त्र को परवान चढ़ाया है और वे भाजपा की इस शातिराना कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी।

वामपंथी पार्टियां भी भारतीय संसद, भारत के संविधान और हमारे धर्मनिरपेक्ष लोकतान्त्रिक गणतन्त्र की रक्षा के संकल्प को दोहराती हैं। वामपंथी दल आम लोगों का आह्वान करते हैं कि वे हमारे सवैधानिक गणराज्य पर हो रहे संगीन हमलों के विरूध्द विरोध प्रकट करने को आगे आयें। क्रषि कानूनों के संबंध में वाम दलों ने कहा कि सरकार द्वारा थोपे गये ये कानून देश की खेती और हमारे किसानों को बरवाद कर देंगे। सारे क्रषि क्षेत्र को क्रषि- विपणक कारपोरेट्स को हस्तांतरित करने से न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रणाली पूरी तरह खत्म हो जायेगी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली संपूर्णतः विनष्ट हो जायेगी, बेशर्म काला बाजारियों और विशालकाय कारपोरेट्स को खाद्यान्नों और खाद्य पदार्थों की जमाखोरी की खुली छूट मिल जायेगी, जिससे वे खाद्य पदार्थों की क्रत्रिम किल्लत पैदा कर सकेंगे और कीमतों को मनमाने तरीके से बढ़ा सकेंगे। ये कानून भारत की खाद्य सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल देंगे।

निश्चय ही यह विश्व व्यापार संगठनों के आदेशों और उरुग्वे वार्ताओं की प्रतिपूर्ति का संघी संस्करण है। वामपंथी दलों ने कहा कि समय से पहले एमएसपी घोषित करने की सरकार की कवायद किसानों में उपजे आक्रोश को ठंडा करने की कोशिश और उन्हें भ्रम में डालने वाली है। अपने कुक्रत्यों से किसानों और युवाओं के बीच पूरी तरह बेनकाव मोदी सरकार अब विपक्ष पर उन्हें भड़काने का आरोप लगा रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आंदोलित किसानों और नौजवानों पर जिस बहशियाना ढंग से हमलावर है वामदल उसकी कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं। वामपंथी पार्टियां उत्तर प्रदेश भर की अपनी समस्त इकाइयों से अपील करती हैं कि इन कानूनों को वापस लेने के लिये ॰अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वयन समिति॰ द्वारा 25 सितंबर को प्रतिरोध के आह्वान के प्रति पूर्ण समर्थन और एकजुटता प्रदर्शित करें। वामपंथी पार्टियां अपनी सभी जिला इकाइयों का आह्वान करती हैं कि अन्य राजनैतिक दलों से विचार विमर्श कर केन्द्र सरकार को इन कानूनों को वापस लेने को बाध्य करने को प्रतिरोध प्रदर्शन हेतु कार्यक्रमों का निर्धारण करें और किसानों का पूरी तरह साथ दें।

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत प्रश्ननोतरी प्रतियोगिता सहित विभिन्न आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। जैसा कि विदित है कि राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत उत्तर रेलवे ,लखनऊ मंडल द्वारा प्रत्येक दिन राजभाषा के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार के कार्यकलापो एवं गतिविधियों को आयोजित करने का प्रावधान किया गया है, एक क्रमबद्ध स्वरुप में संचालित की जाने वाली इन गतिविधियों के तहत हिंदी साहित्य जगत के पुरोधाओं ,हिंदी साहित्य के सृजनकर्ताओं, इसी क्रम में आज ऑन-लाइन हिंदी ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन समयांतराल (15 मिनट) के साथ किया गया एवं इसके अतिरिक्त मंडलीय कार्यालय में कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए व्यावहारिक हिंदी के प्रशिक्षण तथा राजभाषा नीति-नियम शब्दावली पत्रक के वितरण कार्यक्रम को संपन्न किया गया। दिनांक 14.09.20 से दिनांक 28.09.20 तक संचालित किये जाने वाले इस पखवाड़े के अंतर्गत राजभाषा के विकास एवं प्रगति को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने का प्रावधान किया गया है।

उप्र0पुलिस भर्ती बोर्ड कार्यालय के समक्ष अपनी मॉगो को लेकर प्रदर्शन करते युवक।

दबंगों का हौसला बुलंद प्रार्थी दर-दर भटक रहा नहीं मिल रही न्याय

बाराबंकी। थाना रामनगर महादेवा चौकी क्षेत्र गाटा संख्या 52 पर मोहम्मद सदीक अनीश वर्तमान प्रधान पति जान मोहम्मद कल्लू द्वारा किया जा रहा अवैध, कब्जा क्षेत्राधिकारी तहसीलदार रामनगर के आदेशों की की गई अवहेलना नहीं हुई कोई कार्रवाई महादेवा चौकी क्षेत्र गाटा संख्या 52 उप जिला अधिकारी रामनगर पर 176 एल आर एक्ट मुकदमा दायर हुआ था रामप्रकाश बनाम कृष्णा स्वरूप आदि जोकि सन 2015 में मुकदमा का निर्णय सुनाया गया श्रीमान उप जिला अधिकारी ने आदेश दिया की लेखपाल कानूनगो द्वारा नाप हिस्सा अलग कर दिया जाए जिसमें मोहम्मद सदीक सुनील पुत्र जीतेंद्र अवस्थी से गाटा संख्या 52 में 20 फुट वाह उनके भाई से 20 फुट बैनामा कराया जोकि बनाने में लिखा है कि रोड से 500 मीटर दूर फिर भी मोहम्मद सदीक राजेश पुत्र राम नारायण से और नंबर लिखवाया उसी के साथ गाटा संख्या 52 राजेश का हिस्सा 20 फुट डलवा लिया राजेश को जब पता चला तो राजेश ने मोहम्मद सदीक के ऊपर मुकदमा करने के लिए कहा तभी मोहम्मद सदीक ने अपनी बचत के लिए ?10 पर एक इकरारनामा लिखा था कि राजेश की जमीन से मेरा कोई सरोकार वह मेरे बच्चों से कोई सरोकार नहीं है अब उसी 20 फुट को मोहम्मद सदीक जबरन कर रहे और मोहम्मद सदीक ने 10 फुट अनीश पुत्र अब्बास को बेचा तब मोहम्मद सिद्दीकी 30 फुट बच्ची बेचने में मोहम्मद सदीक ने अपने पिता वल्दियत बदल कर अनीश को बैनामा कर दिया जान मोहम्मद पुत्र सफी गाटा संख्या 52 का 5 मीटर अवैध कब्जा किए हैं और ग्राम समाज की संपत्ति पर भी कब्जा किया हुआ है जोकि वर्तमान प्रधान पति है जबकि ग्राम समाज की संपत्ति की देखरेख में उप जिलाधिकारी महोदय का अधिकार है लेकिन आज तक उप जिलाधिकारी महोदय ने ग्राम समाज की संपत्ति को नहीं हटवा पाए इसके पहले लेखपाल द्वारा उप जिला अधिकारी को अवगत कराया था कि जान मोहम्मद अपने निजी लाइसेंसी रिवाल्वर के बल पर निर्माण कार्य कर रहे हैं मना करने पर अभद्रता करते हैं लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं की गई जान मोहम्मद की हौसले बुलंद है यह सभी लोगों का एक गिरोह वर्तमान प्रधान होने के नाते जान मोहम्मद मोहम्मद सदीक कल्लू अनीश नाजायज फायदा उठाते हैं अब देखना यह है कि प्रार्थी को न्याय मिलता है की आवेदन कूड़े के ढेर में चले जाते हैं यह भगवान के सहारे।

विश्वकर्मा पुजा में भक्तों की लगी भीड़

माण्डा / प्रयागराज। क्षेत्र में विश्वकर्मा का पूजन सदियों से चला आ रहा है। विश्वकर्मा भगवान के रूप में लोग पूजा

करते है और पूजते है। सितम्बर में 17 तारीख को विश्वकर्मा भगवान का जन्म दिन मनाते है। इसी प्रकार माण्डा के बामपुर फाटक पर विश्वकर्मा पूजन का आयोजन रखा गया राज्य सेतु निगम के द्वारा बामपुर फाटक पर पुल का निर्माण हो रहा है। राज्य सेतु निगम के अधिकारियों के द्वारा कीर्तन भजन रखा गया। इसी तरह क्षेत्र में बहुत से दुकानों पर पूजन किया गया। इस अवसर पर पी एम एस पी बागड़ी ,एन एस पांडेय ,प्रदीप कुमार शुक्ला , शोभ नाथ ,चंद्रिका रेस मिश्र ,राज कुमार ,राकेश राय. वीरेंद्र कुमार पाण्डेय प्रधान ,ज्ञान शंकर तिवारी, कढ़े कांत तिवारी , परानू यादव ,फूलचंद ,अजय यादव ,अजय दुबे आदि मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन राधे गुट कार्यकर्ताओं ने समस्त पुलिसकर्मियों को मास्क व सैंटाइज किया वितरण

बाराबंकी, मसौली। कोरोना जैसी महामारी के बीच अपनी जिम्मेदारियों का दायित्व निभाने वाले पुलिसकर्मियों को मास्क वितरण के क्रम में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन राधे गुट के कार्यकर्ताओं ने मसौली प्रभारी निरीक्षक सहित समस्त पुलिसकर्मियों को मास्क एव सैटाइज का वितरण किया। जिलाध्यक्ष कीर्ति कुमार यादव व तहसील अध्यक्ष नवाबगंज मोहम्मद रियाज की अगुवाई में प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अरविन्द सिंह, उपनिरीक्षक धनीराम वर्मा, राजेश पटेल, महेश सिंह, शिशुपाल सिंह, महिला उपनिरीक्षक सुनीता तिवारी, हेड कॉन्स्टेबल मो0 अफजाल सिद्दीकी, रामनरायन सिंह, असलम खान सहित थाने के समस्त पुलिसकर्मियों को मास्क एव सेनिटाइजर का वितरण किया। इस मौके पर रितु गौतम जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, तहसील प्रभारी नवाबगंज बब्लू खान, ब्लॉक प्रभारी मसौली इरफान अली उर्फ गोविंदा, शकील अहमद अंसारी, डॉ0 राकेश गौतम, संतोष कुमार नाग, हरिश्चंद्र कश्यप आदि भाकियू कार्यकर्ता मौजूद थे।

इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के निर्माण में आ रही बाधा-एसडीएम ने की बैठक

महराजगंज-नौतनवा भारत नेपाल सीमा पर निर्मित होने वाले इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के लिए किसानों की भूमि अधिग्रहण में आ रही बाधा को लेकर उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नौतनवा के तहसील सभागार में किसानों एवं उससे जुड़े राजस्व कर्मियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने कहा कि किसानों का भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है तो उन्हें शासन द्वारा निर्धारित जमीनों का मुआवजा दिया जाएगा। इसमें कहीं भी कोई लेट लतीफी भी नहीं होगी। पूरी पारदर्शिता के साथ जमीनों का अधिग्रहण किया जाएगा। तथा उसके भुगतान भी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। इस बैठक में आगे उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं इस संदर्भ में आती हैं सीधे वे हमारे पास आए। उन किसानों के लिए हमेशा दरवाजा खुला हुआ है। इस बैठक में राजस्व कर्मियों के अलावा इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट से सम्बंधित किसान एवं सम्बंधित लेखपाल भी मौजूद रहे।

डा. एस.एन. पांडे बने त्योंथर के बीएमओ

चाकघाट। त्योथर विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के रूप में डॉ.एस.एन. पांडेय ने शासन के निर्देशानुसार प्रभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व त्योंथर में संविदा चिकित्सक डॉ. नौशाद अहमद जी को विकास खंड चिकित्सा अधिकारी का प्रभार दिया गया था। विभागीय निर्देशानुसार डॉ. नौशाद अहमद को हटाकर आगामी आदेश तक के लिए डॉ. एस .एन. पांडे को त्योंथर क्षेत्र का बीएमओ बनाया गया है। डॉक्टर पांडे के बी एम ओ बनने पर लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

मेधावी छात्राओं को विधायक ने किया सम्मानित

छात्राओं में मेहनत रूपी ऊर्जा का संचार कर अध्ययन के प्रति किया प्रोत्साहित

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने पर क्षेत्र की वाली मेधावी छात्राओं को मेजा विधायक नीलम उदय भान करवरिया ने सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र दिया। छात्राओं में निरंतर पढ़ाई के प्रति मेहनत रूपी उर्जा का संचार किया।

बता दें मंगलवार को मांडा खास के ललिता पब्लिक स्कूल की छात्रा अंजलि द्विवेदी पुत्री अतुल वैभव द्विवेदी, वैष्णवी मिश्रा पुत्री अनिल मिश्रा, कशिश केसरी पुत्री रमेश कुमार केसरी व मालती देवी मौर्य इंटर कॉलेज की छात्रा शिवानी सिंह पुत्री दिनेश कुमार सिंह तथा डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल से इंटर की छात्रा अक्षिता द्विवेदी पुत्री संजय द्विवेदी मेधावी छात्राओं को विधायक द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त मौके पर विधायक ने छात्राओं का हौसला अफजाई कर, निरंतर निर्भीक होकर अध्ययनरत होते हुए आगे बढ़ने की बात कही। वार्तालाप के दौरान उन्होंने छात्राओं से किसी भी समस्या पर सीधे संपर्क से अवगत कराने की बात कही। वहीं उपस्थित पास पड़ोस की अन्य छात्र-छात्राओं की भी प्रशंसा करते हुए अध्ययन के प्रति प्रोत्साहित किया। विधायक नीलम करवरिया ने यूपी बोर्ड की हाई स्कूल एवं इंटर की परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने वाली पांच छात्राओं को एंड्रायड फोन, ड्राइंगबॉक्स, पेन एवम प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र शुक्ला, राम मिश्रा, विपिन पाण्डेय, रवि भूषण द्विवेदी, आलोक द्विवेदी, शुभम द्विवेदी, शशि द्विवेदी, विशाल द्विवेदी, ज्ञानेश्वर द्विवेदी, अतुल, वैभव द्विवेदी सहित आदि लोग रहे।

पत्रकारों का उत्पीड़न अक्षम्य है

मेजा विधायक ने मेधावी छात्राओं को सम्मानित करने के बाद पत्रकारों से वार्ता किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार दीनदयाल द्विवेदी ने पत्रकारों पर हो रहे लगातार उत्पीड़न की चर्चा किया। विधायक ने उत्पीड़न को निंदनीय बताते हुए कहा कि पत्रकारों का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का सम्मान हमारी पहली प्राथमिकता है। पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कहा कि पत्रकारों का उत्पीड़न अक्षम्य है।

जिलाधिकारी ने आई0जी0आर0एस0 डिफाल्टर सन्दर्भ की समीक्षा की

प्रयागराज। लोक निर्माण विभाग, तहसीलदार करछना, और तहसीलदार हण्डिया का वेतन रोकने के निर्देश उप जिलाधिकारी करछना, सोरॉव, हण्डिया अधिशाषी अभियन्ता जल निगम, जिला विकास, अधिकारी को कठोर चेतावनी दी गयी- जिलाधिकारी श्री भानुचन्द्र गोस्वामी ने मंगलवार को आई0जी0आर0एस0 डिफाल्टर सन्दर्भ की समीक्षा की, समीक्षा के दौरान जिस विभाग के डिफाल्टर अधिक होने के प्रणकरण ज्यादा थें, उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया, जिसमें लोक निर्माण विभाग, तहसीलदार करछना और तहसीलदार हण्डिया का वेतन रोका गया और अधिशाषी अभियन्ता जल निगम, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी करछना, उप जिलाधिकारी सोरॉव और हण्डिया को कठोर चेतावनी दी गयी।

वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान में गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना - करैली पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तों 1. मुबारक शेखपुत्र सलीम शेख निवासी 823 रसूलपुर थाना करैली जनपद प्रयागराज उम्र 19 वर्ष 2. सलीम शेखपुत्र किताबू शेख निवासी लाल कालोनी तुलसीपुर (सरवर गैरेज के पास) थाना करैली जनपद प्रयागराज उम्र करीब21 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से कुल 8 नाजायज देशी बम बरामद किया।

शिक्षिका मर्डर केस में नया मोड़, भाई और पड़ोसी से जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

गोरखपुर/शाहपुर थाना क्षेत्र के बशारतपुर में रविवार को एक महिला टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वही गोली लगने से मृतक शिक्षिका की बेटी की हालत अभी भी गंभीर है। इस मामले में पुलिस को तफ्तीश के दौरान नया सुराग मिला है।

गोरखपुर शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बशारतपुर में शिक्षिका मर्डर मिस्ट्री में एक नया मोड़ सामने आया है। पता चला है कि मृतक डेविना और उसके सगे भाई के बीच संपत्ति को लेकर खींचतान चल रही थी। मामले में पुलिस मृतक डेविना की संपति संबंधित सभी दस्तावेजों को हासिल कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस पूरी घटना में किसी करीबी के मिले होने की भी आशंका है। महिला शिक्षिका डेविना बेटी के साथ रविवार दोपहर अपने घर जा रही थी। इसी बीच बसारथपुर पानी टंकी के पास पहुंचते ही बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और फायरिंग की। इस दौरान शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई। वही बेटी की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज से लखनऊ रेफर कर दिया गया है। या एक प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस पहले लूटपाट के आधार पर जांच में जुटी थी। दर्शन शिक्षिका के पर्स में तकरीबन 10हजार रुपए, एटीएम कार्ड, सोने की चेन, और मोबाइल था। तफ्तीश के बीच पुलिस को एक नया सुराग मिला है। भाई और पड़ोसी से चल रहा था विवाद

पुलिस जांच में पता चला है कि मृतक शिक्षिका व उसके भाई के बीच संपत्ति को लेकर खींचतान चल रही थी।डेविना ने मायके की पूरी संपत्ति को अपने नाम करा लिया था। इसकी वजह से डेविना का अपने भाई के साथ विवाद चल रहा था। वहीं पड़ोसी ज्ञानू तिवारी से भी 2 फीट जमीन को लेकर विवाद था। पुलिस जांच में ज्ञानू तिवारी के खिलाफ कई मामले सामने आए हैं। ज्ञानू ने वर्ष 2019 में डेविना और उनके परिवार वालों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया था। दोनों परिवारों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। पुलिस इन सभी पहलुओं पर संज्ञान में लेते हुए डेविना की संपत्ति संबंधी सभी दस्तावेजों को हासिल कर मामले की जांच कर रही है।

गोरखपुर में 24 घंटे के अंदर दूसरी बार दिनदहाड़े हुई वारदात पुलिस पर उठ रहे सवाल

गोरखपुर/24 घंटे के भीतर दिनदहाड़े फायरिंग की सोमवार को दूसरी घटना हुई है। रविवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने एक शिक्षिका और उसकी बेटी की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी थी और बेटी गोली से घायल हुई थी। अभी पुलिस इस मामले को सुलझा पाती कि इसके पहले ही सोमवार को ही बदमाशों ने चार किलोमीटर तक दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज में हवाई फायरिंग कर एक युवक को गोली मार दी।इस घटना के बाद सामने आया है कि घटनास्थल से चंद कदम की दूरी पर आवास विकास कॉलोनी गेट के पास पुलिस पिकेट रहती है, जहां सोमवार को पुलिस की तैनाती ही नहीं थी।रविवार को शाहपुर इलाके में मां-बेटी को गोली मारा गया था। तब पता चला था कि घटनास्थल से चंद कदम की दूरी पर ही पुलिस की मौजूदगी थी, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लग सकी और बदमाश गोली मारकर फरार हो गए। कुछ इसी तरह की घटना सोमवार को भी सामने आई।सात राउंड फायरिंग कर बदमाशों ने पहली बार जिस जगह पर दहशत फैलाई, वहां पर पुलिस पिकेट होती थी, मगर पुलिस नहीं तैनात थी। शायद पुलिस होती तो मोहद्दीपुर तक वह दौड़ा नहीं पाते और फिर युवक को गोली मारने से बचाया जा सकता था। एक बार फिर पुलिस की सुस्ती सामने आई है।एसएसपी जोगेंद्र कुमार पुलिस को सड़क पर गश्त बढ़ाने की नसीहत दे रहे हैं, पुलिस है कि सुधरने का नाम ही नहीं ले रही है। ऐसे में अपराध पर लगाम कैसे लगेगा यह एक बड़ा सवाल है?

फर्जी शिक्षक नियुक्ति में धांधली दो भाइयों सहित तीन गिरफ्तार

गोरखपुर/ गोरखपुर में फर्जी शिक्षक नियुक्ति मामले में एसटीएफ ने भड़ाफोड़ करते हुए तीन लोगों को दबोच लिया है। पूछताछ में पता चला कि फर्जी शिक्षक के रूप में खुद नौकरी करने के साथ ही वह मानव संपदा पोर्टल की मदद से जानकारी जुटाकर फर्जी शिक्षकों को बचाने के नाम पर वसूली भी करते थे। एसटीएफ ने मुखबिर की मदद से तीनों को लखनऊ के गोमती नगर स्थित पराग बूथ स्टेंशन से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वालों में गोरखपुर के सहजनवां थानाक्षेत्र के सगे भाई भी शामिल हैं।

आरोपितों की पहचान सहजनवां थाना क्षेत्र के हरदी निवासी यदुनंदन यादव पुत्र इंद्रमणि, हरदी निवासी सत्यपाल यादव पुत्र इंद्रमणि, देवरिया के सलेमपुर बरसीपार निवासी प्रमोद कुमार यादव पुत्र इंद्रदेव यादव के रूप में हुई है। एसटीएफ के मुताबिक, यदुनंदन ने पूछताछ में बताया कि वह प्रमोद कुमार सिंह के नाम से प्राथमिक विद्यालय ककरहा, बाराबंकी में सहायक अध्यापक के पद पर नौकरी कर रहा है। इससे पहले भी फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर सीआरपीएफ में वर्ष 2000 में भर्ती हुआ था। इस मामले में सहजनवां में केस दर्ज हुआ था और वह जेल गया था।उसकी पत्नी श्रीलता वर्तमान समय में अर्चना पांडेय के नाम से उच्च प्राथमिक विद्यालय गदिया, बराबंकी में नौकरी कर रही है। उसके द्वारा मानव संपदा पोर्टल की धांधली के संबंध में बताया गया कि पोर्टल पब्लिक विंडो में दी गई सूची के आधार पर इस्तेमाल कर प्राप्त कर लेता था कि कौन फर्जी अध्यापक है और उनसे वसूली करता था।ऐसे अध्यापकों की फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर वसूली करता था। जिन शिक्षकों का मोबाइल नंबर नहीं मिलता था उसके गांव के प्रधान से संपर्क कर वसूली करता था। आशीष कुमार सिंह को पैसा लेकर बुलाया था जिसका वास्तविक नाम प्रमोद कुमार यादव है तथा जो आशीष के नाम से प्राथमिक विद्यालय बड़लगंज में नौकरी कर रहा है। उसके गाड़ी से कई फर्जी कागजात मिले है।

8 लाख 86 हजार की बरामदगी

गिरफ्तार आरोपितों के पास से 8 लाख 60 हजार रुपये की नकदी बरामद हुई है। छह मोबाइल, दो लैपटॉप, एक प्रिंटर, कार, सीआरपीएफ का कूट रचित प्रमाण पत्र, एक कार, प्रमोद कुमार सिंह के नाम से दो फर्जी आधार कार्ड, डीएल और पैन कार्ड बरामद किया गया है।

सीओ के साथ परसा मलिक पुलिस ने किया पैदल गस्त

महराजगंज! कोविड-19 की जारी गाइडलाइन के कर्म में क्षेत्राधिकारी नौतनवा अजय सिंह चौहान ने परसा मालिक प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल व उप निरीक्षक उमेश कुमार शर्मा के साथ आज परसा मलिक थाना क्षेत्र के चौराहा सेखुआनी में पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया ! पुलिस क्षेत्राधिकारी अजय सिंह चौहान,ने सेखुआनी चौराहे पर भारी पुलिस बल के साथ पैदल गस्त करते हुए लोगो को कोरोना से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सुरक्षा का एहसास दिलाया साथ ही कोविड-19 महामारी के बीच जारी शासन की गाइडलाइन के बारे में भी लोगो को बताते हुए उन्हें जागरूक किया क्षेत्राधिकारी नौतनवा ने इस दौरान लोगो से सोशल डिस्टेंस का पालन करने के साथ बाहर निकलने पर माक्स का उपयोग करने एवं सैनिटाइजर का नियमित प्रयोग करने की अपील की

इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित परसा मलिक प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल उप निरीक्षक उमेश कुमार शर्मा,कांस्टेबल,विवेक यादव शंकर दयाल अभिलेश व भारी पुलिस बल के साथ डायल 112 भी मौजूद रहे।

विजय राज सिंह राजू के नेतृत्व में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सैकड़ों की संख्या में सपाइयों ने भाजपा सरकार के जन विरोधी नीतियों का किया विरोध

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर देश में बढ़ रहे बेरोजगारी और अन्य मुद्दों को लेकर, करछना तहसील में ब्लाक प्रमुख करछना विजय राज सिंह राजू के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में सपाइयों ने भाजपा सरकार के जन विरोधी नीतियों का विरोध करते हुए, करछना तहसील में घेराव व प्रदर्शन किया। उप जिलाधिकारी आकांक्षा राणा को राज्यपाल के संबोधित 25 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमे सैकड़ों कि संख्या में समजवादी कार्यकर्ता तहसील मुख्यालय पहुंचकर भाजपा विरोधी नारों के साथ प्रदर्शन किया। सपा कार्यर्ताओं ने निजीकरण, बेरोजगारी, कोरोना किट खरीद में व्यापम घोटाले व अन्य मुद्दों को लेकर जमकर धरना प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।

सपा कार्यकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे करछना ब्लाक प्रमुख ने कहा कि, सरकार के इस जन विरोधी नीतियों से जहां लगातार प्रदेश में बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं निजीकरण हो जाने के कारण लोगों की नौकरी जाने का खतरा है। कहा कि निजी करण से सरकारी नौकरी करने वाले लोगों को आने वाले समय में नौकरी से निकाला भी जा रहा है। उनका कहना है कि अगर सरकार द्वारा अपने फैसलों को वापस नहीं लिया गया तो आने वाले समय में समाजवादी पार्टी के युवा कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने को मजबूर हो जाएंगे।

उपजिलाधिकारी को राज्यपाल के नाम संबोधित 25 सूत्रीय ज्ञापन सौपने में बड़े पैमाने में सपाई उपस्थित रहे। जिसमें राजेश्वर पांडे, हंसराज सिंह, राजेश भारतीय, गजेंद्र त्रिवेदी, दीपक पांडे, हिमांशु मिश्रा, अमिताभ पांडे, मोहम्मद शकील अहमद, शिव यादव, अंगद सिंह, अजायब लाल, मो0 अकरम व सैकड़ों कि संख्या में युवा समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किशोरी को अगवा कर रेप का आरोपी हुआ गिरफ्तार

गोरखपुर/गुलरिहा थाने के सरहरी पुलिस चौकी प्रभारी धनंजय राय ने हमराही सिपाहियों के साथ सोमवार की रात किशोरी को अगवा कर रेप करने का वांछित आरोपित युवक दया पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम मंगलपुर टोला जगदीशपुर थाना गुलरिहा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।गत 11 सितम्बर को गुलरिहा थाना क्षेत्र के सरहरी पुलिस चौकी अंतर्गत निवासी एक किशोरी की मां के तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने धारा 363,366,376,504,506 तथा 3/4 पास्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश कर रही थी। आज आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

छात्रा का मोबाइल ले उड़े चोर

चिलुआताल, गोरखनाथ, शाहपुर , गुलरिया थाना क्षेत्र में मोबाइल चोरों का गिरोह सक्रिय

गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के भगवानपुर तिराहे के बगल से उचक्को ने कोचिंग से वापस घर जा रही छात्रा का बाइक सवार उचक्को ने छपट्टा मार कर हाथ से मोबाइल छीन कर फरार हो गये। पिड़ित छात्रा ने चिलुआताल थाने पर लिखित तहरीर देकर घटना से अवगत करा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार छात्रा अंजली कुमारी पुत्री फूलचन्द निवासी राप्ती नगर सोमवार को रात 8,30 बजे कोचीग से घर लौट रही थी। अभी भगवानपुर तिराहे के पास पहुंची ही थी बाइक सवार उचक्को ने हाथ से यम आई का मोबाइल फोन छीन फरार हो गये किशोरी अभी कुछ समझ पाती बदमास आखो से ओझल हो गये पिड़िता ने घटना की लिखित सूचना पुलिस को दे दी है।

आम आदमी पार्टी सिसवा विधान सभा अध्यक्ष के नेतृत्व में आक्सीजन व पल्स का किया गया जांच

महराजगंज! सिसवा विधानसभा के अध्यक्ष खुर्शीद आलम के नेतृत्व में आक्सीजन व पल्स के जांच कराये गये। यह जांच ग्राम सभा पिपरिया में चलाया गया। जिससे सभी लोगों में उत्साह एवं जागरूकता के रूप में प्रसन्नता झलकती हुइ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। यूथ विंग सिसवा विधानसभा के अबदुल सत्तार, दिग्विजय, आज़म अंसारी,इबादत हुसैन, गंगेश चौधरी आदि के द्वारा जांच करने पर लगभग 246 लोग स्वस्थ नजर आए।

नए भारत में बदहाल किसान

सरकार स्वास्थ्य आपातकाल जैसी दशाओं के मध्य कृषि सुधारों को अध्यादेशों के रूप में चोर दरवाजे से जून माह में लागू करती है, फिर संसद के मानसून सत्र में इन्हें विधेयकों के रूप में पेश किया जाता है और संसद के अंदर एवं बाहर जबरदस्त विरोध के बावजूद यह बिल पास कराए जाते हैं। राज्यसभा में विपक्ष द्वारा मत विभाजन की मांग अस्वीकार कर दी जाती है और बिल को ध्वनि मत से पास करा दिया जाता है। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के हंगामे को आधार बनाकर राजनाथ सिंह के नेतृत्व में 6 मंत्रियों की प्रेस कांफ्रेंस होती है और रक्षात्मक होने के स्थान पर हमलावर तेवर दिखाए जाते हैं। सरकार की हड़बड़ी और हठधर्मिता संदेह उत्पन्न करने वाले हैं। सरकार के यह कृषि सुधार किसानों के सहस्राधिक छोटे-बड़े संगठनों द्वारा वांछित नहीं थे। किसी भी किसान संगठन ने इन सुधारों की न तो मांग की थी न ही इनके लिए कोई आंदोलन ही हुआ था। कृषि और किसी राज्य के भीतर होने वाला व्यापार राज्य सूची के विषय हैं। केंद्र सरकार इनके विषय में बिना राज्यों से चर्चा किए और बिना उन्हें विश्वास में लिए कोई कानून कैसे बना सकती है? सरकार ने पहले इन सुधारों को कोविड-19 विषयक राहत पैकेज से जोड़ा और इन्हें किसानों की दशा सुधारने के आपात उपायों के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की। किंतु यह सभी को पता था कि इन कृषि सुधारों का बदहाल किसानों से कुछ भी लेना देना नहीं है, इसलिए सरकार का यह झूठ चल नहीं पाया और अब सरकार खोखली आक्रामकता के साथ यह कह रही है कि पिछले दो दशकों से जिन कृषि सुधारों की मांग की जा रही थी उन्हें हमने क्रियान्वित किया है । हम निर्णय लेने वाली सरकार हैं जिसका नेतृत्व नरेन्द्र मोदी जी के हाथों में है जिनका आविर्भाव ही भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हुआ है। इसके बाद सरकार के प्रवक्ता और मंत्रीगण अपनी स्मरण शक्ति और कल्पना शक्ति की सीमाओं के अनुसार मोदी जी के अलौकिक और दैवीय गुणों का बखान करने लगते हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इन कृषि सुधारों को लागू करने के पीछे सबसे बड़ा तर्क यही है कि मोदी जी ने इनके लिए इच्छा की है। कुल मिलाकर यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार किसी भी कीमत पर इन कृषि सुधारों को लागू करना चाहती है और इसके लिए वह अतिशय सतर्कता और चातुर्य का सहारा ले रही है। देश में किसान आंदोलन की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। ताकतवर कहे जाने वाले किसान नेताओं में एक बड़ी संख्या छोटे पूंजीपतियों की है जिनके लिए कृषि एक व्यापार रही है और खेत में हाड़ तोड़ मेहनत करने वाले असली किसान से जिनका रिश्ता स्वार्थी मालिक और मजबूर मजदूर का ही रहा है। आज आंदोलन को मूल लक्ष्य से भटकाने वाले समझौतापरस्त नेताओं की संख्या बढ़ी है जिनके लिए किसान हित के स्थान पर दलीय स्वार्थ और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अधिक महत्वपूर्ण हैं। सरकार अंततः कॉरपोरेट घरानों के लिए कार्य कर रही है और सरकार का विरोध कर रहे किसानों की असली लड़ाई इन्हीं से होनी है। इस बात की पूरी आशंका है कि कृषि के कॉरपोरेटीकरण के विरोध में होने वाले किसान आंदोलन छोटे-बड़े स्थानीय पूंजीपतियों और दानवाकार कॉरपोरेट्स के मध्य हितों के टकराव में न बदल जाएं। बाजारवादी वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था उस आदिम सिद्धांत द्वारा संचालित होती रही है जिसके अनुसार छोटी मछली की नियति ही यह है कि बड़ी मछली द्वारा उसे खा लिया जाए किंतु यह तभी संभव हो सकता है जब छोटी मछलियों में एकता न हो, वे असंगठित हों और उनमें बड़ी मछली को मदद देने वाली छोटी मछलियां हों। दुनिया के विकासशील देशों में बाजारवादी मुक्त अर्थव्यवस्था ने छोटे व मझोले उद्योग धंधों और कृषि को तबाह किया है। यह देश का दुर्भाग्य होगा यदि यह किसान प्रतिरोध दो शोषकों की नूरा कुश्ती में बदल जाए जहां कॉर्पोरेट घराने तथा नए तेवर और कलेवर वाले जमींदारनुमा किसान नेता आम किसान का खून चूसने के अपने-अपने हक के लिए दावे करते नजर आएं और कोई ऐसी दुरभि संधि हो जाए जिसमें आम किसान को मैनेज करने का ठेका इन आधुनिक जमींदारों को मिल जाए। अभी तक किसानों ने अपने आंदोलन का स्वरूप अराजनीतिक बनाए रखा है किंतु जब उनके भाग्य का फैसला राजनीतिज्ञों को ही करना है तब यह अराजनीतिक स्वरूप लंबे समय तक बरकरार रह पाएगा ऐसा नहीं लगता। आंदोलन को महत्वहीन बनाने की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। किसानों के प्रतिरोध को हरियाणा और पंजाब के किसानों तक सीमित बताने और बनाने की कोशिश भी हो रही है जिससे इसे राष्ट्रव्यापी विस्तार न मिल सके। यह दुरूखद संयोग है कि जब इन कृषि सुधारों पर संसद में चर्चा हो रही थी तो कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व चर्चा में सम्मिलित नहीं हो सका। राहुल उस कांग्रेस के सदस्य हैं जिसके हजारों कार्यकर्ता स्वतंत्रता संग्राम में बहादुरी से लड़े और अपने परिवार की कीमत पर उन्होंने देश को आजादी दिलाई। राहुल उस कांग्रेस से जुड़े हैं जिसने गांधीजी के नेतृत्व में किसानों के हक की लड़ाई को देश की आजादी के महाभियान में बदल दिया था। इसीलिए उनसे यह अपेक्षा हमेशा रहती है कि वे प्राथमिकताओं का बेहतर चयन करेंगे और असाधारण साहस एवं समर्पण का परिचय देंगे। देश के लघु और सीमांत किसानों तथा कृषि मजदूरों को हमने 2018-19 के महाराष्ट्र के लांग मार्च के दौरान सड़कों पर अपने हक के लिए प्रदर्शन करते देखा था। 2019 के लोकसभा चुनाव निकट थे किंतु किसानों का यह असंतोष वोटों में बदल नहीं पाया। बहुतेरे किसानों ने जाति, धर्म और उग्र राष्ट्रवाद के आधार पर मतदान किया। हरित क्रांति के जमाने से हमारे देश में अपनाई गई नीतियां कुछ ऐसी रही हैं कि कृषि की उन्नति और किसानों की समृद्धि में व्युत्क्रमानुपाती संबंध रहा है। कृषि जितनी ज्यादा उन्नत होती है, कृषि उत्पादन जितना ही अधिक बढ़ता है किसान उतना ही निर्धन और पराधीन होता जाता है।इन कृषि सुधारों से कृषि क्षेत्र का घाटा कम हो जाएगा। उन्नत तकनीक और यंत्रीकरण के कारण लागत में कमी आएगी। कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और परिरक्षण की सुविधाएं बढ़ेंगी। कृषि में अधोसंरचना का विकास होगा। किंतु इन सारे क्रांतिकारी परिवर्तनों का लाभ छोटे, मझोले और सीमांत किसानों तथा कृषि मजदूरों को कभी नहीं मिल पाएगा। इन कृषि सुधारों को लागू करने के पीछे जो तर्क दिया जा रहा है वह भी नया नहीं है। मंडी व्यवस्था में जबरन प्रविष्ट कराई गई असंख्य बुराइयों और इस व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार से हम सभी परिचित हैं। किंतु इन बुराइयों को दूर करने के स्थान पर अप्रत्यक्ष रूप से मंडी व्यवस्था को ही समाप्त करने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि इन कृषि सुधारों का विरोध करने वाले दरअसल किसानों का हक मारने वाले बिचौलियों के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी को इन बिचौलियों को परिभाषित करना चाहिए था। ये कोई परग्रही प्राणी नहीं हैं बल्कि व्यापार और राजनीति के अवसरवादी गठजोड़ की पैदाइश हैं। यह इसी देश के छोटे मझोले व्यापारी और आढ़तिये हैं जो ग्रामीण राजनीति में दखल रखते हैं। यह ग्रामीणों का शोषण भी करते हैं किंतु जरूरत के वक्त यह उनके काम भी आते हैं। लापता सरकारी तंत्र के अदृश्य कल्याणकारी कार्यक्रम और ग्रामीणों की पहुंच से बाहर रहने वाली बैंकिंग व्यवस्था के कारण इनकी आवश्यकता और प्रासंगिकता हमेशा बनी रहती है। इन्हें अनुशासित, नियमित, नियंत्रित और दंडित किया जा सकता है। अपनी तमाम अराजकता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने वाला असंगठित क्षेत्र गांवों में कुछ ऐसे ही विद्यमान है। हमारी अर्थनीति के कारण हमें सारे समाधान निजीकरण में नजर आते हैं। हम जीडीपी में कृषि की घटती हिस्सेदारी को एक शुभ संकेत मानते हैं तथा यह विश्वास करते हैं कि यह अर्थव्यवस्था के बढ़ते आकार और सेवा एवं उद्योग आदि क्षेत्रों के विस्तार का परिणाम है। इसी प्रकार हमारी कुल वर्कफोर्स के 50 प्रतिशत को रोजगार देने वाली खेती के बारे में हमारी मान्यता है कि इससे जरूरत से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं और बहुत कम लागत में बहुत कम मानव संसाधन के साथ हम विपुल कृषि उत्पादन कर सकते हैं। गांवों से लोग पलायन करेंगे तो शहरी कारखानों को सस्ते मजदूर मिलेंगे।

सम्पादकीय

किसान विधेयकों का किसानों द्वारा विरोध

इस समय पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा संसद में मंजूरी हेतु रखे गए मोदी सरकार के तीन अध्यादेशों के विरोध में सड़कों पर उग्र प्रदर्शन किए जा रहे हैं। कुछ दिन पहले किसान नेता हरिंदर सिंह गिल ने एक विरोध प्रदर्शन किसान रैली में इन विधेयकों को कोरोना वायरस से भी अधिक खतरनाक बताया था। ये विधेयक लोकसभा के मानसून सत्र में लाना तभी निश्चित हो चुका था जब सरकार द्वारा राष्ट्रपति से तीन किसान अध्यादेश 5 जून, 2020 को जारी करवाए गए थे। चूंकि भाजपा के पास लोकसभा में दो तिहाई बहुमत था इसलिए लोकसभा में तीनों किसान विधेयकों के पारित किए जाने में कोई अड़चन नहीं थी। राज्य सभा में आंध्रप्रदेश की वाईएसआर, तमिलनाडु की अन्ना द्रमुक तथा ओडिशा कीबीजद के समर्थन के आश्वासन से भाजपा इन विधेयकों के राज्य सभा में पारित होने के बारे में आश्वस्त थी। राज्य सभा में विरोधी दलों द्वारा अभूतपूर्व होहल्ला के बीच ही उपसभापति ने ध्वनि मत से विधेयकों को पारित घोषित कर दिया, मतविभाजन की मांग को संजोए दल हक्का-बक्का रह गए। तीन महीने पहले जारी कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य संवर्द्धन अध्यादेश 2020, किसान सशक्तिकरण और संरक्षण अध्यादेश 2020 तथा आवश्यक वस्तु संशोधन अध्यादेश 2020 संसद में स्वीकृति हेतु विधेयक के रूप में रखे गए थे जिन्हें दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है। पहला विधेयक कृषि बाजार के संबंध में है जो एक राष्ट्र एक बाजार के सिद्धान्त पर किसानों को उनकी फसल जहां चाहे वहां बेचने की स्वतंत्रता देता है। अभी तक किसान अपनी उपज को निर्धारित मंडी क्षेत्र से बाहर नहीं बेच सकता था। जबकि उद्योगपति को अपने उत्पादन को कहीं भी बेचने की स्वतंत्रता है। दूसरा विधेयक कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग के संबंध में है जो किसानों को यह छूट देता है कि यह अपनी उपज एग्रो-बिजनेस करने वाली कंपनियों के साथ अग्रिम कान्ट्रेक्ट करके उन्हें बेच सकता है। तीसरा विधेयक आवश्यक वस्तु अधिनियम में शामिल अनाज, दाल, प्याज और आलू सरीखी वस्तुओं को विधेयक से बाहर रखने संबंधी है। देखा जाय तो लोकसभा में पारित तीन किसान विधेयकों का बीजारोपण पांच साल पहले ही तब हो चुका था जब प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों की आमदनी वर्ष 2022 तक दुगुनी करने का अपनी सरकार के लक्ष्य की घोषणा की थी। उन्होंने नीति आयोग को निर्देश दिए थे कि वह उनको किसानों की आय वर्ष 2022 तक दुगुनी करने के लिए प्रस्ताव बनाकर सुझाव प्रस्तुत करे। नीति आयोग के निर्देश पर इसके कृषि विशेषज्ञ सदस्य डॉ. रमेशचंद ने देश के अन्य प्रमुख अर्थशास्त्रियों से चर्चा करके किसानों की आमदनी दुगुनी संबंधी 16 सुझाव दिए थे। सरकार द्वारा इन सभी सुझावों को स्वीकार कर क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी इसी दिशा में वर्ष 2020-21 के बजट में किसानों की आमदनी दुगुनी करने संबंधित प्रस्तावित कार्यक्रमों पर अपेक्षित बजट आबंटन भी किया गया है। नीति आयोग ने किसानों की आमदनी दुगुना करने के कार्यक्रम के लिए वर्ष 2015-16 को आधार वर्ष तय किया था। भारत की कृषि में फसल के लिए बोई जाने वाली जमीन की स्थिति, मिट्टी की उर्वरकता, सिंचाई की सुविधाओं के आधार पर बहुत अधिक विविधता है। भारत के विपरीत जापान, दक्षिण कोरिया, ताईवान, फिलीपींस आदि देशों की कृषि में एकरूपता है फलस्वरूप प्रति हैक्टर उत्पादन में भी एकरूपता है। इसके विपरीत भारत में कृषि फसलों में विविधता के साथ-साथ प्रति हैक्टर उत्पादन में भी विविधता है। भारत में जोत के आकार में भी विविधता है। भारत के दो तिहाई किसानों की जोत 2 हेक्टर्स से कम है। वर्तमान में लघु व सीमांत किसान साल में 7 महीने मजदूरी करके परिवार का जीवनयापन करते हैं। दो हेक्टेयर नीची जोत की असिंचित भूमि पर साल में एक फसल लेने वाले किसान गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने को मजबूर है। नीति आयोग ने कार्य योजना बनाते समय इन सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखा था। नीति आयोग ने यह सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उसकी किसान हितकारी सिफारिशों पर किसानों द्वारा विरोध किया जाएगा। वर्तमान में उग्र किसान आन्दोलन पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तरप्रदेश में केन्द्रित है। पंजाब में 12 लाख किसान परिवार हैं। इनमें से 90 प्रतिशत किसान किसी न किसी रूप में अकाली दल और कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं। पंजाब में 28 हजार आढ़तिए हैं, ये मुख्य रूप से बादल के अकालीदल से जुड़े हुए हैं। किसान विधेयक पास हो जाने पर इन आढ़तियों के बेरोजगार हो जाने की संभावना के कारण भी बादल अकालीदल विधेयकों का विरोध कर रहा है। संसद द्वारा किसान विधेयकों के पारित किए जाने के बाद भाजपा विरोधी दल जिन-जिन राज्यों में वे सत्तारूढ़ हैं, पंजाब हरियाणा के समान उग्र किसान आन्दोलन प्रारंभ कर सकते हैं। मेरा ऐसा मानना है कि पंजाब हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी प्रारंभ होने वाले किसान आन्दोलन अब एक महीने से अधिक नहीं चल पाएंगे। कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग के संबंध में किसानों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे एक दिन उनकी भूमि एग्रो-बिजनेस कंपनियों के हाथों में चली जाएगी। किसानों का यह भय इसलिए निराधार है कि भारत की वैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत कृषि भूमि पर व्यक्तिगत स्वामित्व को ही मान्यता है। चाय, काफी और रबर बागानों को छोड़कर कोई भी कारपोरेट कम्पनी या पार्टनरशिप फर्म न तो कृषि भूमि की स्वामी हो सकती है न खेती कर सकती है। इस प्रकार कारपोरेट सेक्टर द्वारा कृषि भूमि हथियाकर खेती करने की भारत में गुंजाइश नहीं है। जहां तक न्यूनतम समर्थन मूल्य संबंधी शंका का सवाल है।

कोरोना संक्रमण काल में धर्म

महामारी और धर्म का आपसी संबंध क्या हो सकता है? यह प्रश्न तब और गहरा हो जाता है, जब हम पाते हैं कि कोरोना जैसी महामारी ने, न सिर्फ शारीरिक बल्कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी व्यक्ति और समाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है. व्यग्रता और भय, आज दोनों ही हमारे जीवन के हर क्षण में गहरे व्याप्त हैं. ऐसे मे स्वाभाविक है कि संकटग्रस्त समाज में हम धर्म की उपस्थिति और भूमिका को संज्ञान में लें और उसकी पड़ताल करें. यह पड़ताल ऐसे समाज की है, जो सैद्धांतिक रूप में 'आधुनिक' है और समय-समय पर समाज वैज्ञानिकों द्वारा 'सेक्युलर एज' और 'एज ऑफ रीजन' से संबोधित किया गया है. हालांकि, 1980 के दशक से चिंतकों में यह सुगबुगाहट होने लगी है कि धर्मनिरपेक्षीकरण के अथक प्रयासों के बीच मनुष्य की चेतना से धर्म का विलोप हुआ ही नहीं. कुछ विद्वान 'रिटर्न ऑफ रिलिजन' की बात भी करने लगे हैं. कोरोना संकट के मध्य तकरीबन सभी धर्मो के हवाले से ऐसी खबरें आती रहीं, जिसने एक बार फिर से महामारी और धर्म के अंतर्संबंधो को विमर्श में वापस ला दिया है. दक्षिण कोरिया में 'पेशेंट 31' का मामला हो, भारत में तबलीगी जमात से जुड़ा विवाद हो या फिर विभिन्न देशों में धार्मिक संस्थाओं द्वारा गरीब-बेसहारा के लिए भोजन की व्यवस्था हो, धर्म की सर्वव्यापकता को संकट के इस क्षण में अस्वीकार नहीं किया जा सकता. सच तो यह है कि महामारी का इतिहास मानवीय सभ्यता के कृषि युग में प्रवेश के साथ ही शुरू हो जाता है.

जूनोटिक प्लेग', 'प्लेग ऑफएथेंस', 'प्लेग ऑफ साइपिरियन', 'ब्लैक डेथ' हो या बीसवीं सदी के आरंभ में फैला बुबोनिक प्लेग, सभी में समान रूप से धर्म की उपस्थिति दर्ज की गयी है. ऐतिहासिक दस्तावेजों से भी यह सिद्ध होता है कि इन सभी महामारियों ने धार्मिक गुरुओं, विभिन्न धर्मो के अनुयायियों और समाज के अन्य लोगों के प्रति किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया. ओरहान पामुक एक लेख में, इतिहास के सभी महामारियों के समाज और धर्म पर पड़ने वाले प्रभाव में एक आश्चर्यजनक समानता को रेखांकित करते हैं.डेनियल डेफो के बहुचर्चित उपन्यास 'अ जर्नल ऑफ प्लेग इयर', अलेस्संद्रो मंजोनी के उपन्यास 'द बेथ्रोथेड' और कामूस के उपन्यास 'द प्लेग', सभी सोलहवीं से बीसवीं सदी की महामारियों में लोगों के अंदर व्याप्त भय और चिंता, राज्य द्वारा मृतकों की संख्या छुपाने और समाज में व्याप्त महामारी के प्रति एक प्रकार के 'सेंस ऑफ डिनायल' को बखूबी दर्शाते हैं. वहीं दूसरी तरफ लेखक अपनी रचनाओं में यह भी बताते हैं कि किस प्रकार दैवीय हस्तक्षेप, मृत्यु और मानवीय त्रासदी के मध्य संगठित धर्म के प्रति लोगों में गुस्सा व्याप्त है.इसी क्रम में सभी चिंतक यह भी बताते हैं कि किस प्रकार

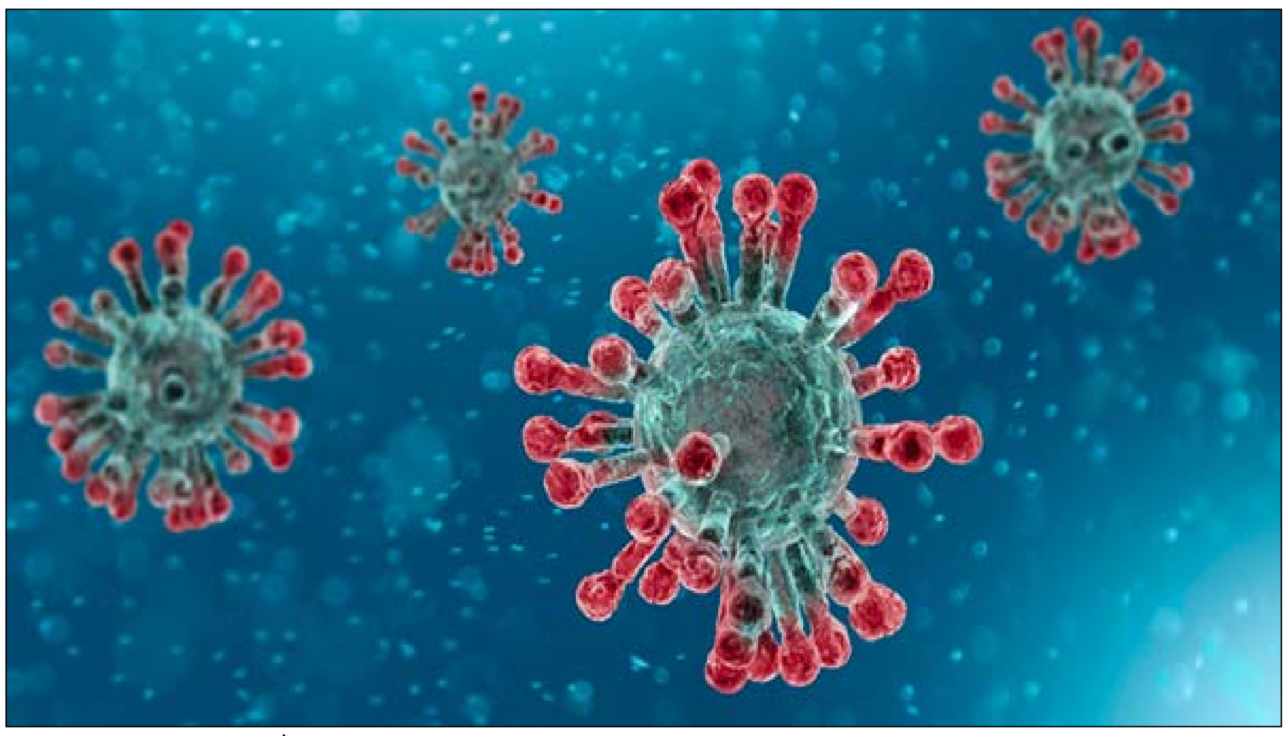

महामारियों के मध्य अध्यात्म और अदृश्य के प्रति विश्वास भी बढ़ा. इन सबके मध्य स्थानीय देवी-देवताओं, संत-महात्माओं और धर्म के प्रति समाज में स्वीकार्यता भी बढ़ी. जैसे उत्तर भारत में, कुषाण काल में एक किस्म के अज्ञात उच्च बुखार को शांत करने के लिए बौद्ध परंपरा के 'हरिति' की पूजा का प्रचलन बढ़ा. इसी प्रकार, कालांतर में सर्प दंश से बचाव के लिए मनसा देवी और चेचक के उपाय के तौर पर शीतला माता की पूजा-अर्चना स्थापित हुई. यह भी सत्य है कि यूनानी, सिद्ध, आयुर्वेदिक आदि चिकित्सा पद्धति अलग-अलग धर्मों में लंबे समय तक चले संवाद से उभरी. स्पष्ट है कि मनुष्य ने धर्म को अपनी पहचान, भय और व्यग्रताओं को पहचानने और उसके साथ तारतम्य बैठाने के क्रम में अन्वेषित किया और विभिन्न प्रारूपों में स्थापित किया. इसी प्रकार, उसने स्वयं को तलाशने और प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाने के क्रम में धर्म की परिधि में स्वयं को बांधा होगा. उसका यह धर्म ही शायद विनोबाजी का 'समन्वय धर्म' का रूप लेता है. जिसमें स्वयं के साथ-साथ, अन्य मनुष्य, प्रकृति, जीव-जंतुओं तथा ज्ञात-अज्ञात के साथ 'समन्वय' पर जोर दिया गया. डयूक विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान और मेडिसिन के प्रोफेसर हेरोल्ड कोएंग के तीन दशकों से अधिक के शोध निष्कर्षो से पता चलता है कि, किसी भी आस्था और अध्यात्म से स्वयं को जुड़ा पाने वाले मरीज, किस प्रकार अन्य की तुलना में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने और उसके दुष्प्रभावों से उभरने में ज्यादा सफल रहे. कोएंग के अनुसार, वर्तमान में दक्षिणी गोलार्ध के वासी, पश्चिमी देशों की तुलना में कोरोना महामारी के मानसिक दुष्प्रभावों से जल्द निजात प्राप्त कर लेंगे. इसका आधार वे एशिया और अफ्रीका के देशों में धर्म का जीवनदर्शन में घुले-मिले होना बताते हैं. अमेरिकी मेडिकल एसोसिएशन सहित विश्व की कई चिकित्सा संस्थाएं और इनसे जुड़े शोध संस्थानों ने कोविड महामारी के मध्य ही धर्म और चिकित्सा विज्ञान के बीच संवाद की एक नयी पहल शुरू की है. भारत में भी ऐसे कुछ प्रयास देखने में आ रहे हैं. ऐसे में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान दोनों के लिए यह चुनौती होगी कि किस प्रकार व्यक्ति, प्रकृति, समाज और धर्म के बीच ऐसा समन्वय स्थापित किया जाये, जो सभी के लिए समान मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे.

अमेरिकी चुनाव में अदृश्य दुश्मन का हौव्वा

मैंआमतौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के भाषण नहीं सुनता हूं. सोशल मीडिया पर अगर किसी भाषण के बारे में ज्यादा बातचीत होती है, तब जाकर वह भाषण सुनता हूं. आमतौर पर, मुझे निराशा होती है और यह समझ में आता है कि सोशल मीडिया एक प्रकार की कृत्रिम दुनिया है. इस दुनिया में या तो आप किसी के समर्थक हैं या किसी के विरोधी. इस समर्थन और विरोध के बाहर जो दुनिया बसती है, उसे समझने के लिए उन बातों को भी जानना-समझना होता है, जिनसे आप हो सकता है कि सहमत न हों. मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई कदमों से सहमत नहीं हूं. जैसाकि, अमेरिकी यूनिवर्सिटी के इलाके में रहनेवाले अक्सर होते हैं, लेकिन फिर भी कुछ दिन पहले मैंने डोनाल्ड ट्रंप के दो भाषण सुने. इन भाषणों को सुनने के बाद मुझे समझ में आया कि क्यों आज भी विश्लेषक ट्रंप के बारे में यह कहने से हिचक नहीं रहे हैं कि ये आदमी कभी भी चुनाव में बड़ा फेरदबल कर सकता है. अमेरिका के कई अन्य राज्यों की तरह मिशीगन भी एक ऐसा राज्य है, जहां के बारे में चुनाव की भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है. ये कभी डेमोक्रेट को वोट करता है, तो कभी रिपब्लिकन को. चुनावी भाषा में इसे स्विंग स्टेट कहा जाता है, यानी इन इलाकों में प्रतिद्वंद्वी ज्यादा रैलियां करते हैं, ताकि वोटरों को अपने पक्ष में किया जा सके. कुछ दिन पहले ट्रंप ने मिशीगन के फ्रीलैंड नाम की जगह पर भाषण दिया. शुरुआत में अभिवादन के बजाय ट्रंप का कथन था- हम आपके लिए कई फैक्ट्रियां लाये हैं, जिसके बाद वे आते हैं- हैलो मिशीगन यानी अभिवादन पर. इन दो वाक्यों के बीच तालियां और लोगों की आवाजों का शोर होता है. उनका अगला वाक्य होता है- मैं फ्रीलैंड में आकर खुश हूं. 'फ्रीलैंड' शब्द पर उनका जोर होता है. वे आगे कहते हैं- जो बाइडेन ने अमेरिकी नौकरियों को हमारी जमीन से बाहर भेजने में अपना करियर लगा दिया है. वे हमारे बच्चों का भविष्य चीन और अन्य देशों के हाथों में बेच रहे हैं. वे आउटसोर्सिंग के मसले पर भारत का नाम नहीं लेते, लेकिन उनके वोटर समझ जाते हैं कि वे किनकी बात कर रहे हैं. जवाब में जोरदार तालियां. ट्रंप रुकते हैं. इधर-उधर देखते हैं. अंगूठा ऊपर कर अभिवादन स्वीकार करते हैं, फिर कहते हैं- जो बाइडेन ने आपकी नौकरियां चीन के हाथों में दे दी हैं और अब वे चाहते हैं कि हमारे देश को हिंसक वामपंथी भीड़ के हवाले कर दें, जिन्हें आप हर दिन सड़कों पर देख रहे हैं. अगर बाइडेन जीतते हैं, तो चीन जीतता है. अगर बाइडेन जीतते हैं, तो ये दंगा करनेवाले, हमारी दुकानों को आग लगानेवाले और अमेरिकी झंडे जलानेवालों की जीत होती है. इन वाक्यों से ट्रंप अपने भाषण के अगले बिंदुओं को तय करते हैं, लेकिन टोन तय हो जाता है. एक अदृश्य दुश्मन का हौव्वा खड़ा किया जाता है, जिसका नाम इस समय चीन है. अमेरिकी राजनीति में कुछ सालों पहले तक ये दुश्मन मुसलमान थे और उससे कई सालों पहले तक कम्युनिस्ट. अमेरिका बदल गया और साथ में राजनीति के दुश्मन भी बदल गये. लेकिन ये बात स्थिर रही कि विभाजनकारी नेताओं ने जीतने के लिए सकारात्मक एजेंडा की नहीं, बल्कि हमेशा से एक अदृश्य दुश्मन को चुना. मैं वामपंथी नहीं हूं, लेकिन ट्रंप के भाषणों में बार-बार लेफ्ट विंग मॉब, लेफ्टिस्ट जो बाइडेन जैसे वाक्य सुन-सुनकर आश्चर्य हुआ कि क्या पूरी दुनिया वामपंथ से अदृश्य लड़ाई लड़ने में लगी है. वो वामपंथ, जो अब चीन में भी नहीं रह गया है और न ही किसी और देश में वामपंथी सरकारें रह गयी हैं, लेकिन फिर भी वामपंथ के नाम पर वोट बटोरने की कवायद चल रही है. आमतौर पर ट्रंप के बारे में लोग कहते हैं कि उनके पास शब्द नहीं हैं. वे ज्यादा लंबा लिखा हुआ पढ़ नहीं सकते. वे विश्लेषण नहीं कर सकते यानी कुल मिलाकर वो पढ़े-लिखे नहीं है और बस लफ्फाजी करते हैं. मीडिया में उनके छोटे-छोटे बयान देखकर ऐसा लगता भी है, लेकिन अगर आप उन्हें रैलियों में सुनेंगे, तो पायेंगे कि अपने मतदाताओं से कनेक्ट करने में ट्रंप न केवल सक्षम हैं बल्कि वो जानते हैं कि वह क्या कर रहे हैं. वे भले ही लिखे हुए भाषण का अभ्यास करके आते हों, लेकिन जिस आत्मविश्वास से अपना भाषण लोगों के सामने रखते हैं, उससे कहीं से नहीं लगता कि ये आदमी मूर्ख है. उन्हें पता है कि अगर झूठ भी बोलना है, तो कितनी सफाई से कहना है. जब वे अपने भाषण में भीड़ की बात करते हैं, तो कभी भी ये नहीं बताते कि ये भीड़ नहीं बल्कि लोग हैं जो काले लोगों के मारे जाने के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं. वे कहीं भी ये जिक्र नहीं करते कि कोविड-19 के कारण देश में अब तक डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे जा चुके हैं. वे अपने भाषण के शुरुआती कई मिनटों में कोविड-19 का नाम तक नहीं लेते हैं. इन भाषणों को सुनने पर लगता नहीं कि अमेरिका किसी महामारी से गुजर रहा है. लेकिन, फिर भी तालियां बजती रहती हैं. ट्रंप के समर्थक उनके साथ खड़े रहते हैं. अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बाद भले ही ट्रंप ने कोविड-19 को वुहान वायरस कहना बंद कर दिया हो, लेकिन वे चीन को जिम्मेदार ठहराने से पीछे नहीं हट रहे हैं. ये उनके चुनावी भाषणों में बिल्कुल स्पष्ट दिखता है.ट्रंप का एजेंडा साफहै. वे लोगों को चीन और वामपंथ का भय दिखा रहे हैं, और डरा रहे हैं कि देखो बाहरी लोग आकर अमेरिका पर कब्जा कर लेंगे. ये डर की राजनीति अमेरिका के लोगों को कितना प्रभावित करती है, यह अगले दो महीनों में पता चल जायेगा. फिलहाल, इतना साफहै कि ट्रंप से चुनावी भाषणों में किसी सकारात्मक एजेंडे की उम्मीद कोई नहीं कर रहा है.

चहल, सैनी और दुबे के कहर से हैदराबाद ढेर, बेंगलुरु जीता

दुबई | एजेंसी।

लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (18 रन पर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजों नवदीप सैनी (25 रन पर दो विकेट) तथा शिवम दुबे (15 रन पर दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद को सोमवार को 10 रन से हराकर आईपीएल-13 में विजयी शुरुआत कर ली। बेंगलुरु ने युवा ओपनर देवदत्त पडिकल (56) और मिस्टर 360 डिग्री के नाम से मशहूर एबी डिविलियर्स (51) के विस्फोटक अर्धशतकों से 20 ओवर में पांच विकेट पर 163 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और हैदराबाद के मध्यक्रम की कमजोरी का पूरा फायदा उठाते हुए विपक्षी टीम को 19.4 ओवर में 153 रन पर निपटा दिया।

पिछले तीन सत्र में हार से शुरुआत करने वाली बेंगलुरु टीम ने इस बार पहले ही मैच में जीत से खाता खोल लिया। हैदराबाद ने 32 रन जोड़कर अपने आखिरी आठ विकेट गंवा दिए और उसे हार का सामना करना पड़ा। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। 20 साल के पडिकल ने ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच के साथ पहले विकेट के लिए 11 ओवर में 90 रन की मजबूत साझेदारी की। बाएं हाथ के बल्लेबाज पडिकल ने 42 गेंदों पर 56 रन की पारी में आठ चौके लगाए। हालांकि मध्य ओवरों में रन गति धीमी पड़ी लेकिन डिविलियर्स ने अंतिम ओवरों में समा बांध दिया। डिविलियर्स ने 30 गेंदों पर 51 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए। फिंच ने 29 गेंदों पर 27 रन में एक चौका और दो छक्के लगाए। कप्तान विराट कोहली ने निराश किया और वह 13 गेंदों पर 14 रन ही बना पाए। विराट कोई बॉउंड्री नहीं लगा पाए। शिवम दुबे सात बनाकर पारी की अंतिम गेंद पर रन आउट हुए। डिविलियर्स भी आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर रन आउट हुए। डिविलियर्स ने 19वें ओवर में संदीप शर्मा की गेंदों पर लगातार दो छक्के मारे। हैदराबाद की तरफ से टी नटराजन ने 34 रन पर एक विकेट, विजय शंकर ने 14 रन पर एक विकेट और अभिषेक शर्मा ने 16 रन पर एक विकेट लिया। पडिकल को शंकर ने बोल्ड किया। अभिषेक ने फिंच और नटराजन ने विराट का विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद ने कप्तान डेविड वार्नर को दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से दूसरे ओवर में ही गंवा दिया। उमेश यादव की गेंद पर जानी बेयरस्टो ने सीधा शॉट खेला। उमेश कैच तो नहीं लपक पाए लेकिन गेंद उनके हाथ से लगकर स्टंप्स से टकरा गयी और क्रीज से बाहर खड़े वार्नर रन आउट हो गए। वार्नर ने छह गेंदों पर छह रन बनाये और हैदराबाद का पहला विकेट 18 के स्कोर पर गिरा। बेयरस्टो ने इसके बाद मनीष पांडेय के साथ दूसरे विकेट के 71 रन की साझेदारी की। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर पांडेय को नवदीप सैनी के हाथों कैच करा दिया। पांडेय ने 33 गेंदों पर 34 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया। हैदराबाद का दूसरा विकेट 89 के स्कोर पर गिरा। मैच के 14वें ओवर में उमेश की पहली गेंद पर बेयरस्टो का कैच बॉउंड्री पर डेल स्टेन के हाथों से निकल गया। बेयरस्टो ने दो रन लिए और फिर तीसरी गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा कर लिया।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने जीता 36वां मास्टर्स, राफेल नडाल का रिकॉर्ड तोड़ा

रोम | एजेंसी।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने आठवीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के डिएगो श्वाट्र्जमैन को हराकर इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। जोकोविच का यह 36वां मास्टर्स 1000 खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने स्पेन के राफेल नडाल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जोकोविच ने श्वाट्र्जमैन को लगातार सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। जोकोविच ने मुकाबले में तीन एस लगाए, जबकि श्वाट्र्जमैन ने एक एस लगाया। इस जीत के साथ ही सर्बियाई खिलाड़ी ने नडाल के 35 मास्टर्स 1000 जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह उनका पांचवां इटालियन ओपन खिताब है। जोकोविच ने इस साल 32 में से 31 मुकाबले जीते हैं। उन्होंने इस साल पांच इवेंट में से चार इवेंट जीते हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया ओपन ग्रैंड स्लेम, दुबई ड्युटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप और वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन शामिल हैं। जोकोविच ने कहा कियह काफी अच्छा और चुनौतीपूर्ण सप्ताह था। मुझे नहीं लगता कि मैंने पूरे सप्ताह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन मेरे ख्याल से जब भी मुझे जरूरत थी, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, चाहे वो सेमीफाइनल मुकाबला हो या फाइनल मैच। उन्होंने कहा कि इस जीत से मैं काफी संतुष्ट हूं और गर्व महसूस कर रहा हूं कि मैं पांचवीं बार यह खिताब जीतने में कामयाब रहा जब मुझे इसकी काफी जरुरत थी। पेरिस की बात करें तो मैं रोम में अच्छे टूर्नामेंट की उम्मीद नहीं कर सकता था। यह एक और बड़ा खिताब है और मैं काफी खुश हूं। जोकोविच सेमीफाइनल में नॉर्वे के केस्पर रुड को, जबकि श्वाट्र्जमैन 12वीं वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव को

कोरोना मुक्त होने के बाद वापसी करने से उत्सुक हूं

बेंगलुरु (जी.एन.एस) भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्ट्राइकर मनदीप सिंह ने कहा है कि वह कोरोना वायरस से जंग जीतने के बाद मैदान पर वापसी करने को लेकर उत्सुक हैं। मनदीप बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के कैंपस में संभावितों के साथ शिविर के लिए पहुंचे थे जहां कोरोना टेस्ट कराए जाने पर वह पॉजिटिव पाए गए थे। उन्हें पहले शिविर में ही आईसोलेशन में रखा गया था लेकिन बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मनदीप के अलावा टीम के कुछ अन्य खिलाड़ी भी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। मनदीप ने कहा, मेरे ख्याल से हम सभी कुछ दिनों से लगातार सुन रहे थे कि यह महामारी कितनी खतरनाक है। पॉजिटिव पाए जाने के बाद पहले कुछ दिन काफी तनावपूर्ण थे। एक पेशेवर हॉकी खिलाड़ी होने के नाते मैंने कई बार मैच में कठिन स्थिति का सामना किया है लेकिन ऐसा तनाव मैंने कभी महसूस नहीं किया।

युजवेंद्र चहल बोलिंग पर आए और उन्होंने मैच का रुख बदल दिया : विराट कोहली

दुबई एजेंसी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने आईपीएल-13 के अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को मात देने के बाद अपनी टीम के साथियों की तारीफ की। बैंगलोर ने सोमवार को खेले गए मैच में सनराइजर्स को 10 रनों से हरा दिया। मैच के बाद विराट कोहली ने कहा, पिछले साल परिणाम दूसरा था। हमने आज धैर्य बनाए रखा। बैंगलोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए थे। जवाब में हैदराबाद सिर्फ 153 रन ही बना सकी। बैंगलोर के लिए युजवेंद्र चहल ने इस जीत में अहम रोल निभाया।

उन्होंने 16वें ओवर में जॉनी बेयरस्टो को आउट किया और फिर अगली गेंद पर विजय शंकर को पविलियन भेजा। कोहली ने चहल को लेकर कहा, चहल आए और हमारे लिए मैच बदल दिया।

आज उन्होंने बताया कि अगर

धोनी की चेन्नै सुपरकिंग्स से टक्कर लेगी स्मिथ की राजस्थान रॉयल्स

शारजाह | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के अपने पहले मैच में मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस को मात देने वाली चेन्नै सुपरकिंग्स आज अपने दूसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के सामने होगी। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली सीएसके पूरी कोशिश करेगी कि वह दूसरे मैच में भी जीत हासिल करे। स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली रॉयल्स का यह इस सीजन का पहला मैच है और वह भी जीत के साथ आगाज करना चाहेगी।

मुंबई के खिलाफ चेन्नै का प्रदर्शन देखते हुए रॉयल्स का टीम प्रबंधन निश्चिततौर पर अपने खिलाडि़यों से कुछ अतिरिक्त चाहेगी क्योंकि सीएसके ने अभी तक आईपीएल के हर सीजन में डोमिनेट किया है और इस बार भी उसको शानदार शुरुआत मिली है। चेन्नै के लिए अंबाती रायडू (71) और फाफ डु प्लेसिस (नाबाद 58) ने बेहतरीन पारियां खेलेत हुए टीम को जीत दिलाई थी।

शुरुआती ओवरों में मुंबई के गेंदबाजों द्वारा दिए गए झटकों के बाद भी रायुडू और डु प्लेसिस ने टीम को संभाला था और यूएई की कंडीशंस में मुंबई के गेंदबाजों को चलने नहीं दिया था। मुरली विजय और शेन वॉटसन ने मुंबई के खिलाफ पारी की शुरुआत की थी लेकिन दोनों जल्दी आउट हो गए थे।

सैम करन को धोनी ने प्रमोट किया था और करन ने 6 गेंदों पर 18 रन बना उसे जस्टीफाई भी किया। चेन्नै की बल्लेबाजी स्थिर लग रही है तो गेंदबाजों ने भी पहले मैच में निराश नहीं किया और नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे थे। चेन्नै के गेंदबाजों ने सुनिश्चित किया था कि मुंबई बड़ा स्कोर नहीं कर सके और जिसने चेन्नै की पांच विकेट से जीत में बड़ा रोल निभाया था।

पीयूष चावला को चेन्नै की टीम में अहम नहीं माना जाता हो लेकिन 31 साल के इस लेग स्पिनर में अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में सिर्फ 21 रन खर्च करते हुए एक विकेट भी लिया। इसी तरह लुंगी गिडी, रवींद्र जडेजा और दीपक चहर ने भी जरूरत पडने़ पर अपना रोल निभाया, लेकिन चेन्नै का टीम प्रबंधन साफ तौर पर चाहेगा कि यह तीनों पहले मैच की तरह रन न लुटाएं।

रॉयल्स की बात की जाए तो आईपीएल के पहले सीजन 2008 के अलावा उसने कभी भी ट्रोफी नहीं जीती है। 2020 सीजन को देखते हुए रॉयल्स अपनी टीम में ञ्च20 के कुछ बड़े खिलाड़ी लेकर आई है। रॉबिन उथप्पा, श्रेयस गोपाल और वरुण एरॉन के अलावा युवा यशस्वी जयसवाल, रियान पराग और कार्तिक त्यागी के साथ रॉयल्स ने युवा और अनुभव का अच्छा मिश्रण बनाने की कोशिश की है।

चेन्नई के कोच फ्लेमिंग बोले- पिछला मैच जीतकर आत्मविश्वास बढ़ा है

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल का चौथा मैच चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मंगलवार को शारजाह में खेला जाएगा। इससे पहले शनिवार को खेले गए आईपीएल के पहले मैच में चेन्नई ने मुंबई को पांच विकेट से हरा दिया था। मंगलवार को मैच से पहले चेन्नई के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि, आईपीएल की शुरुआत जीत के साथ हुई इससे उनके टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को भी उनकी टीम जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी।

फ्लेमिंग ने चेन्नई सुपर किंग्स की वेबसाइट से बातचीत में कहा, आईपीएल की शुरुआत अच्छी हुई है और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। लायंस इस मोमेंटम को 22 सितंबर को राजस्थान के खिलाफ भी बराकर रखना चाहेंगे। ÷मुंबई इंडियंस पर क्या बोले चेन्नई के कोच फ्लेमिंग

फ्लेमिंग ने कहा, पॉइंट मिलना शानदार रहा, मुंबई और चेन्नई के बीच मैच में सबसे ज्यादा यह मैटर करता है कि, सबसे कम गलतियां कौन करेगा। जिस तरह से मुंबई ने हमारे खिलाफ अग्रेसिव शुरुआत की, वह हमारे लिए मुश्किल साबित हो सकता था। हमारे साथ यह अच्छा रहा कि जैसे जैसे इनिंग आगे बढ़ती गई हमारे गेंदबाज अच्छा करते गए। फ्लेमिंग ने कहा, जब हम बल्लेबाजी करने गए तो हमें मुंबई की अच्छी तेज गेंदबाजी के चलते सेटबैक मिला, लेकिन हमारा अनुभव काम आया और हम मैच में वापस आए।

फाफ डु प्लेसिस पर क्या बोले कोच

कोच ने कहा ÷यह बस मौका भुनाने की बात है, जो कैच उन्होंने पकड़े थे और जिस समय पकड़े थे, उसने मैच का रुख बदल दिया। हम उन दोनों कैचों में से, कोई भी कैच छोड़ना अफोर्ड नहीं कर सकते थे। सैम करन पर बोलते हुए कोच फ्लेमिंग ने कहा, ड्वेन ब्रावो का टीम में न होना एक बहुत बड़ा नुकसान है, लेकिन अच्छी बात यह है कि करन ने प्रभावित किया है, उनका एटीट्यूड शानदार था और सबसे जरूरी यह कि कैप्टन ने उनके ऑलराउंड स्किल्स पर भरोसा किया और उन्होंने उसी अंदाज में बल्लेबाजी की।

ब्रावो पर क्या बोले कोच

कोच ने कहा ब्रावो ठीक हो रहे हैं और हम उनको सौ फीसदी फिट करने के लिए उनपर काम कर रहे हैं ,हमारे तीन मैच जल्दी-जल्दी हैं, हम उनको हर मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन में मॉनिटर कर रहे हैं। कोच ने कहा करन के शानदार परफॉर्मेंस ने हमें थोड़ा दबाव में ला दिया है लेकिन ब्रावो दुनिया के सबसे शानदार आलराउंडर्स में से एक हैं।

संक्षेप में...

चोट के कारण पूरे आईपीएल सत्र से बाहर हो सकते हैं मिशेल मार्श : सूत्र

दुबई एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के पूरे सत्र से बाहर हो सकते हैं। टीम सूत्रों ने बताया कि आरसीबी के खिलाफ पहले मैच में लगी चोट काफी गंभीर है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए मार्श को 5वें ओवर में कप्तान डेविड वॉर्नर ने गेंद दी थी लेकिन वह चार ही गेंद डाल सके। अपने करियर में चोटों का शिकार रहे मार्श की एड़ी में चोट लग गई, जब वह एरॉन फिंच का एक शॉट बचाने की कोशिश कर रहे थे। टीम के एक सूत्र ने बताया, यह गंभीर चोट लग रही है। पता नहीं अब वह खेल भी सकेंगे या नहीं। टीम ने अभी तक उनकी चोट के बारे में आधिकारिक बयान नहीं दिया है। सनराइजर्स की टीम का यह इस सत्र का पहला ही मैच था, जिसमें उसे 10 रन से हार का सामना करना पड़ा। एक वक्त तक सनराइजर्स इस मैच में फेवरिट दिख रही थी। लेकिन पारी का 16वां ओवर फेंकने आए युजवेंद्र चहल ने अपने एक ही ओवर में लगातार 2 विकेट गिराकर मैच का पासा ही पलट दिया। सनराइजर्स की टीम ने 121/2 के स्कोर से अगले 32 रन जोडने़ तक अपने बाकी बचे सभी 8 विकेट गंवा दिए।

इसी महीने स्मिथ प्रैक्टिस के दौरान सिर में बॉल लगने से चोटिल हो गए थे। इस कारण वे इंग्लैंड में वनडे सीरीज भी नहीं खेल सके थे।

धोनी के खिलाफ पिछले 5 में से एक ही मुकाबला जीत सकी रॉयल्स

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का चौथा मैच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच आज शारजाह में खेला जाएगा। इस सीजन में अपना दूसरा मैच खेल रही महेंद्र सिंह धोनी की सीएसके टीम को फेवरेट माना जा रहा है। उनके खिलाफ रॉयल्स पिछले 5 में से एक ही मुकाबला जीत सकी है। पिछले सीजन में चेन्नई ने रॉयल्स को दोनों मैच में हराया था। वहीं, रॉयल्स का इस सीजन में यह पहला मैच है। इसमें टीम अपने रेग्युलर कप्तान स्टीव स्मिथ के साथ उतरेगी।

परिवार के साथ यूएई पहुंचे बटलर क्वारैंटाइन में हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के की-प्लेयर इंग्लैंड के बेन स्टोक्स और जोस बटलर पहले मैच में नहीं खेल सकेंगे। बटलर बायो-सिक्योर माहौल से हटकर परिवार के साथ यूएई पहुंचे थे। इस कारण वे 6 दिन क्वारैंटाइन में बिताएंगे। वहीं, स्टोक्स के पिता को ब्रेन कैंसर है, इस कारण वे उनका इलाज कराने के लिए क्राइस्टचर्च में हैं।

दोनों टीम के महंगे खिलाड़ी सीएसके में कप्तान धोनी सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 15 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में केदार जाधव का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 7.80 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, राजस्थान में स्मिथ 12.50 करोड़ और संजू सैमसन 8 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। पिच और मौसम रिपोर्ट- शारजाह में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 28 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। यहां हुए पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 69 प्रतिशत रहा है।

इस मैदान पर हुए कुल टी-20- 13
पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती- 9
पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती- 4
पहली पारी में टीम का औसत स्कोर- 149
दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर- 131

आज जीती तो 3 टीमों के खिलाफ 15+ मैच जीतने वाली दूसरी टीम होगी सीएसके

तीन बार की चैम्पियन (2018, 2011, 2010) सीएसके यदि यह मैच जीत लेती है तो 3 टीमों के खिलाफ 15 से ज्यादा मैच जीतने वाली दूसरी टीम बन जाएगी। इसके पहले मुंबई इंडियंस ही ऐसा कर सकी है।

रितुराज ने कोरोना को हराया चेन्नई के रितुराज गायकवाड़ ने कोरोना का हराया। उनकी तीसरी रिपोर्ट निगेटिव आई है। इसी के साथ प्लेयर ने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। दरअसल, टूर्नामेंट से पहले चेन्नई के रितुराज और दीपक चाहर समेत 13 लोग संक्रमित पाए गए थे। रितुराज को छोड़कर सभी लोग पहले ही ठीक हो चुके हैं। दीपक तो इस सीजन का पहला मैच भी खेल चुके हैं।

रॉयल्स टीम में स्मिथ, उथप्पा और आर्चर की-प्लेयर्स राजस्थान रॉयल्स में कप्तान स्मिथ के अलावा रॉबिन उथप्पा, संजू सैमसन अहम बल्लेबाज हैं।

कोहली IPL में एक ही टीम को 50 मैच जिताने वाले चौथे कप्तान

हैदराबाद | एजेंसी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सीजन के अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 10 रन से हरा दिया। आरसीबी ने 164 रन का टारगेट दिया था, इसके जवाब में हैदराबाद 19.4 ओवर में 153 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली लीग में एक टीम को 50 मैच जिताने वाले चौथे कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपरकिंग्स, गौतम गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स और रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस को 50 से ज्यादा मैच जिता चुके हैं। धोनी सीएसके को 100 मैच जिताने वाले अकेले कप्तान हैं। आरसीबी की जीत के हीरो स्पिनर युजवेंद्र चहल रहे, जिन्होंने 18 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने फॉर्म में चल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के जॉनी बेयरस्टो और मनीष पांडे को आउट किया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 71 रन की पार्टरनशिप की थी, जिसे चहल ने तोड़ा। यही मैच का टर्निंग पॉइंट भी रहा। चहल ने विजय शंकर को बिना खाता खोले क्लीन बोल्ड किया था। चहल को ही मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मैच में सबसे महंगे और सस्ते प्लेयर्स का परफॉरमेंस मैच में कोहली (17 करोड़) सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। टीम की जीत में उनका खास योगदान नहीं रहा और वे 13 बॉल पर सिर्फ 14 रन ही बना पाए। आरसीबी के लिए सबसे सस्ते खिलाड़ी देवदत्त पड्डीकल (20 लाख) और जोश फिलिप (20 लाख) थे। पडिक्कल ने अपने डेब्यू मैच में 42 बॉल पर 56 रन की पारी खेली, जबकि फिलिप 1 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, हैदराबाद टीम में सबसे महंगे खिलाड़ी कप्तान वॉर्नर (12.5 करोड़) ही थे। वे सिर्फ 6 रन बनाकर उमेश यादव के हाथों रनआउट होकर चलते बने। जबकि टीम में सबसे सस्ते प्लेयर टी. नटराजन (40 लाख) थे, जिन्होंने डेब्यू मैच में विराट कोहली के रूप में अपना पहला विकेट लिया। उन्होंने अपने 4 ओवर में 34 रन देकर 1 विकेट लिया।

बेयरस्टो तीन जीवनदान के बावजूद हैदराबाद को नहीं जिता सके 164 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही थी। कप्तान डेविड वॉर्नर 6 रन बनाकर रनआउट हो गए थे। जॉनी बेयरस्टो ने 61 और मनीष पांडे ने 34 रन बनाते हुए पारी को संभाला, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। मैच में बेयरस्टो को तीन जीवनदान भी मिले थे। आरसीबी के फील्डर्स ने 40, 44 और 60 रन के निजी स्कोर पर बेयरस्टो के कैच छोड़े थे। हैदराबाद के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। टीम 19.4 ओवर में 153 रन पर ही सिमट गई। आरसीबी के लिए चहल ने 3 विकेट लिए। इनके अलावा नवदीप सैनी और शिवम दुबे को 2-2 विकेट मिले। एक विकेट डेल स्टेन ने लिया। हैदराबाद के दो प्लेयर वॉर्नर और अभिषेक शर्मा रनआउट हुए। देवदत्त ने डेब्यू मैच में फिफ्टी लगाई, आरसीबी ने 163 रन बनाए आरसीबी के देवदत्त पडिक्कल ने आईपीएल में डेब्यू मैच खेलते हुए सबसे ज्यादा 56 रन की पारी खेली। उन्होंने एरॉन फिंच (29) के साथ 90 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की थी। इसके बाद एबी डिविलियर्स (51) लीग में अपनी 34वीं फिफ्टी लगाकर रनआउट हो गए। इन बेहतरीन पारी की बदौलत आरसीबी ने 5 विकेट पर 163 रन बनाए। वहीं, हैदराबाद के विजय शंकर, टी. नटराजन और अभिषेक शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

6 महीने बाद क्रीज पर लौटे कोहली ने सिर्फ 14 रन बनाए आरसीबी के कप्तान विराट कोहली 6 महीने बाद मैदान पर लौटे और 14 रन बनाकर आउट हुए। नटराजन ने उन्हें राशिद खान के हाथों कैच आउट कराया। इससे पहले कोहली ने मार्च में न्यूजीलैंड से उसी के घर में टेस्ट खेला था।

तेज गेंदबाज मार्श चोटिल होकर बाहर हुए

हैदराबाद के तेज गेंदबाज मिशेल मार्श ने पहली पारी का 5वां ओवर किया था। यह उनका पहला ओवर था, जिसमें वे चोटिल होकर बाहर हो गए। उन्होंने सिर्फ 4 बॉल डाली थीं। बाकी 2 बॉल विजय शंकर ने की, जिसमें 2 नो बॉल के साथ 10 रन दिए।

केन विलियम्सन को पहले मैच में मौका नहीं मिला सनराइजर्स टीम में वॉर्नर के अलावा जॉनी बेयरस्टो, मिशेल मार्श और राशिद खान विदेशी खिलाड़ी शामिल रहे। प्लेइंग इलेवन में सिर्फ 4 विदेशी खिलाड़ी वाले नियम के चलते न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन को मौका नहीं मिला। आरसीबी में विदेशी खिलाड़ी एरॉन फिंच, एबी डिविलियर्स, जोश फिलिप और डेल स्टेन को मौका मिला था। कप्तान विराट कोहली ने क्रिस वोक्स की जगह फिलिप को टीम में चुना। हैदराबाद ने दो आईपीएल खिताब जीते, बेंगलुरु खाता नहीं खोल सकी सनराइजर्स हैदराबाद अब तक दो बार आईपीएल खिताब जीत चुकी है। वॉर्नर की कप्तानी में टीम ने 2016 के फाइनल में आरसीबी को ही 8 रन से हराया था। इससे पहले हैदराबाद 2009 में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट की कप्तानी में आईपीएल खिताब जीत चुकी है।

तब टीम का नाम डेक्कन चार्जर्स था। 2013 में सन टीवी नेटवर्क ने टीम को खरीदकर नाम बदला था। वहीं, आरसीबी तीन बार (2016, 2011, 2009) रनरअप रह चुकी है।

कोहली की आरसीबी को मिला तूफानी ओपनर, डेब्यू मैच में जड़ दी फिफ्टी

दुबई एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैगलोर के कप्तान विराट कोहली ने जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम का ऐलान किया तो लिस्ट से पिछले सत्र में ओपनिंग करने वाले पार्थिव पटेल का नाम गायब था। उनकी जगह टीम में 20 वर्ष के युवा ओपनर देवदत्त पडिक्कल का नाम शामिल था तो फैन्स को हैरानी हुई होगी।

हालांकि, उन्हें टीम में शामिल किए जाने से अधिक हैरानी युवा बल्लेबाज के शॉट्स देखकर होनी चाहिए। खिलाड़ी ने मैदान पर उतरते ही किसी अनुभवी बल्लेबाज की तरह खेलना शुरू किया और एक के बाद एक धांसू शॉट लगाते हुए कप्तान विराट कोहली और आरसीबी टीम के विश्वास को सही साबित किया। इस खिलाड़ी ने चौके के साथ 36 गेंद में आईपीएल की पहली हाफ सेंचुरी ठोक दी। इस तरह वह आरसीबी के लिए डेब्यू मैच में फिफ्टी जडने़ वाले 5वें बल्लेबाज बन गए। इसके साथ ही वह युवराज और गेल के साथ खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

वह बड़ी पारी खेलते दिख रहे थे कि विजय शंकर की एक गेंद चूक गए और बोल्ड आउट हो गए। उन्होंने 42 गेंदों का सामना किया और 56 रनों की धमाकेदार पारी के दौरान 8 चौके जड़े। उनका विकेट 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा। उस वक्त आरसीबी का स्कोर 90 रन था। यही नहीं, देवदत्त के कैलिवर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अभी तक खेले गए हर फॉर्मेट में अपने डेब्यू मैच में 50 से अधिक का स्कोर किया है।

... तो इन दिनों बिजनेसमैन वैभव रेखी के प्यार में हैं दिया मिर्जा

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा को यकीनन आप सभी खूब अच्छे से पहचानते होंगे, जिन्होंने पिछले साल अपने पति साहिल सांगा से तलाक तो लिया था। लेकिन दोनों के अलग होने के तरीके ने हर किसी की खूब वाहवाही बटोरी। दीया और साहिल पिछले 11 साल से एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। लेकिन वहीं अब सुनने में आ रहा है कि दीया को एक बार फिर से अपना सच्चा प्यार मिल गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, दीया बिजनेसमैन वैभव रेखी को डेट कर रही हैं। दोनों के परिवार वालों को भी इस बात की जानकारी है। यही नहीं, कथित तौर पर पूरे लॉकडाउन में दीया अपने पाली हिल निवास पर वैभव के साथ रह रही थीं। लेकिन इतना सब होने के बाद भी सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किन कारणों से दीया अपने दिल की बात नहीं कह पातीं।

जब भी प्यार की बात होती है तो महिलाएं अपनी फीलिंग्स को बयां न करके चुप्पी साध लेती हैं। जबकि इसके विपरीत पुरुष बिंदास तरीके से अपनी फीलिंग्स को बयां करते हैं। हालांकि, हर मामले में ऐसा हो जरूरी नहीं है कई बार महिलाएं पहले से ही स्वाभाविक रूप से अपनी भावनाओं को शेयर करने में सक्षम होती हैं। लेकिन हां, कुछ कारणों से महिलाएं अपने दिल की बात कहने में बहुत समय लेती हैं। यह स्थिति तब ज्यादा देखने को मिलती है जब महिलाएं या तो पहले प्यार में धोखा खाती हैं या फिर वह तलाकशुदा हों।

ज्यादातर महिलाएं यह सोचकर भी अपने दिल की बात दिल में रखती हैं कि जब लोगों को इस बारे में पता चलेगा तो उनके रिएक्शन कैसे होंगे। लोग मेरे बारे में क्या बोलेंगे? लोग कुछ ग़लत न समझें? हालांकि, इस बीच हम ये क्यों भूल जाते हैं कि दिल लगाने का फैसला पूरी तरह से आपका है, लोगों का नहीं। तो ऐसे में अपने दिल की बात जाहिर करने में संकोच क्यों करना।

कभी-कभार महिलाएं ये सोचकर भी अपने दिल की बात नहीं कह पातीं कि कहीं सामने वाले ने अगर न कह दी तो कहीं उनका दिल तो नहीं टूट जाएगा। जी हां, ज्यादातर मामलों में ऐसा देखा गया है कि प्यार में धोखा खाई महिलाओं को हमेशा इस बात का डर होता है कि अगर वह अपने दिल की बात पहले बयां कर देंगी तो कहीं सामने वाला मना न कर दे।

ये बात किसी से छिपी नहीं है कि अगर महिलाएं किसी के लिए फीलिंग रखती हैं तो वह मामले को बेहद संजीदा तरीके से हैंडल करती हैं। वे इस बात को अच्छे से जानती हैं कि दिल के खेल में जल्दबाजी ठीक नहीं है। वह सामने वाले को समझने में अच्छा खासा वक्त लेती हैं। यही नहीं, कई बार वे खुद इस बात के लिए कॉन्फिडेंट होना चाहती हैं कि वह जिस व्यक्ति के साथ हैं, वह उनके लिए सही है भी या नहीं। महिलाओं को अपनी फीलिंग्स जाहिर करने ज्यादा वक्त इसलिए भी लगता है, क्योंकि उनके मन में हर पल यह एक सवाल भी बना रहता है कि अगर वह सामने वाले को अपनी फीलिंग्स के बारे में बताएंगी तो वह उनकी कद्र करेगा भी या नहीं। क्या इजहार की पहल करने से वह कहीं उनको हल्के में लेना तो शुरू नहीं कर देगा। हालांकि, रिलेशनशिप में झिझक महसूस होना बहुत स्वाभाविक है, लेकिन अगर आप चाहें तो आगे चलकर अपने दिल की बात बता सकती हैं।

...बस आगे बढ़ती रहूंगी : आलिया

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने नेपोटिज्म को लेकर जारी बहस के बीच कहा है कि वह लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ती रहेंगी।

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही इंडस्ट्री में फैले नेपोटिज्म को लेकर बहस छिड़ी हुयी है। आलिया भट्ट, रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर की बर्थडे पार्टी के वीडियो को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। आलिया ने रणबीर के साथ आप जैसा कोई मेरी जिदंगी में आए... गाने पर डांस करते हुए रिद्धिमा को खास अदांज में बर्थडे विश किया है। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रहा है। इसी बीच अब आलिया भट्ट की एक और तस्वीर चर्चा में आई है। इस तस्वीर के साथ उसका कैप्शन भी चर्चा में हैं।

आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की है। इस फोटो के साथ ही आलिया ने हॉलीवुड सिंगर टेलर स्विफ्ट के गाने %शेक इट ऑफ' के कुछ बोल लिखे हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, मैं लक्ष्य की ओर चलती रहूंगी, नहीं रुक सकती, न रुकूंगी, बस आगे बढ़ती रहूंगी।

ब्रैंड शूट के लिए सेट पर लौटीं श्रद्धा कपूर

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन के करीब 6 महीने बाद अब बॉलिवुड सिलेब्स ने धीरे-धीरे काम शुरू कर दिया है। अब इस लिस्ट में ऐक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का भी नाम जुड़ गया है। हाल ही में श्रद्धा ने काम शुरू किया और अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कैमरे की एक पिक्चर शेयर की। अपनी खुशी जाहिर करते हुए ऐक्ट्रेस ने फोटो के साथ कैप्शन दिया, लंबा वक्त हो गया मेरे दोस्त। इसके साथ उन्होंने दिल वाला इमोजी बनाया।

बता दें, श्रद्धा एक ब्रैंड शूट के लिए सेट पर लौटी हैं और ऐसा लग रहा है कि काम पर लौटकर वह काफी खुश हैं। लॉकडाउन के दौरान श्रद्धा घर पर अपनी फैमिली के साथ सेल्फ-चरंटीन थीं। खास लोगों के साथ चलिटी टाइम स्पेंड करने के अलावा उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस को काफी एंटरटेन किया। श्रद्धा ने इस साल कोरोना को लेकर सरकार की गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए और सावधानी के साथ गणेश चतुर्थी भी मनाई। वर्क फ्रंट की बात करें तो ऐक्ट्रेस आखिरी बार बागी 3 में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीं। अब वह लव रंजन की अगली फिल्म में दिखेंगी जिसमें रणबीर कपूर लीड रोल में होंगे।

सुहाना ने फिर शॉर्ट ड्रेस में दिखाई दिलकश अदा

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान न्यू यॉर्क में ऐक्टिंग का कोर्स कर रही हैं। हालांकि, वह काफी टाइम से इंडिया में ही हैं, जिसके पीछे की वजह कोविड-19 के दुनियाभर में बढ़ते मरीज हैं। घर पर समय बिता रहीं सुहाना इस समय को खुद को पैंपर करने में इस्तेमाल कर रही हैं और वह एक के बाद एक स्टाइलिश तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर करती रहती हैं। इस बार उन्होंने एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनका लुक एक बार फिर गॉरजस नजर आ रहा है। इंस्टाग्राम पर शेयर फोटो में सुहाना अपनी फ्रेंड्स के साथ बैठी नजर आ रही हैं। वह इसमें ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी नजर आईं। इस शॉर्ट लेंथ ड्रेस में साइड वेस्ट ऐरिया पर कटआउट डिजाइन भी थी। वहीं इसकी नेकलाइन डीप राउंड कट में थी और शोल्डर्स पर स्पगेटी स्ट्रैप्स थीं। सुहाना ने अपने बालों को खुला रखते हुए उन्हें साइड पार्टिशन दिया था और मेकअप को न्यूड टोन रखते हुए पाउट पर पिंक लिपस्टिक लगाई थी। इस ड्रेस में वह काफी ग्लैमरस नजर आ रही थीं। वैसे सुहाना का शॉर्ट ऐंड बॉडीकॉन ड्रेसेस के लिए प्यार काफी पुराना है। उन्हें अक्सर इसी तरह की ड्रेसेस में स्पॉट किया जाता है। सुहाना खान फिट ऐंड कर्वी फिगर की मालकिन हैं और इसे फ्लॉन्ट करने के लिए भला फिटिड ड्रेस से ज्यादा अच्छा ऑप्शन क्या हो सकता है। इस फोटो में भी वह ऐसी ही आउटफिट में देखी जा सकती हैं। ऑरेंज कलर की बैंडेज ड्रेस में वह कमाल की नजर आ रही थीं। इसे उन्होंने हार्व लेजर नाम के फ्रेंच डिजाइनर हाउस से लिया था। बताया जाता है कि इसकी कीमत करीब 60,000 रुपये थी। इस फोटो में सुहाना को वाइट कलर ऐंड ब्लैक स्ट्राइप्स की स्लिम फिट मिडी में देखा जा सकता है। इस स्लीवलेस ड्रेस में वह अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। सुहाना ने अपने बालों को खुला रहा था और न्यूड मेकअप किया था, जिसमें ग्लॉसी टच साफ था। इस ड्रेस के सिंपल होने के बावजूद उनकी अदाएं और पोज फोटोज को काफी गॉरजस बना रहे थे। सुहाना खान की यह ड्रेस इसकी कीमत के कारण सुर्खियों में छा गई थी। स्टारकिड ने इसे न्यू ईयर ईव की पार्टी में पहना था। ब्लैक कलर की इस शॉर्ट ड्रेस में फिगर हगिंग फिटिंग और वन शोल्डर डिजाइन थी। चेस्ट पोर्शन पर आउटफिट को स्वीटहार्ट नेकलाइन टच दिया गया था। इस ड्रेस में सबसे खास उसके शोल्डर से लेकर बस्ट और वेस्ट ऐरिया तक बना सिल्वर ड्रैगन था। बालमेन लेबल की इस आउटफिट की कीमत करीब 2.50 से 3 लाख तक बताई जाती है।

साइज फिटनेस को परिभाषित नहीं करता : मानुषी छिल्लर

पूर्व मिस वर्ल्ड व अभिनेत्री मानुषी छिल्लर का कहना है कि उनके लिए फिटनेस संतुलन पाने के बारे में है और यह वास्तव में एक निजी अनुभव है क्योंकि हर शख्स का फिटनेस को लेकर अपना मकसद होता है। मानुषी ने कहा, मेरे लिए, फिटनेस अपनेसंतुलन को पाने के बारे में है। यह एक बेहद व्यक्तिगत और निजी अनुभव है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का अपना फिटनेस लक्ष्य होता है। मुझे चीजकेक पसंद है और मुझे मशीन की तरह ट्रेनिंग करना पसंद है ताकि मैं इसका आनंद ले सकूं।

उन्होंने कहा कि सोसाइटी को बहुत पतले लोगों को फिट मानकर ज्यादा सराहना नहीं चाहिए क्योंकि यह विचार अवास्तविक फिटनेस उद्देश्य को बढ़ावा देता है।

मानुषी अभिनेता अक्षय कुमार के अपोजिट आगामी फिल्म पृथ्वीराज से बॉलीवुड में आगाज करने के लिए तैयार हैं। इसमें पृथ्वीराज की भूमिका में अक्षय और संयोगिता की भूमिका में मानुषी हैं।

लोगों को भारतीय मार्शल आर्ट, कलरीपायट्टू के बारे में बात करनी चाहिए : विद्युत जामवाल

बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल का कहना है कि वह भारतीय सिनेमा के माध्यम से स्वदेशी मार्शल आर्ट कलरीपायट्टू को लोकप्रिय बनाना चाहते हैं। विद्युत एक प्रशिक्षित मार्शल आर्टिस्ट हैं और उन्होंने तीन साल की उम्र से कलरीपायट्टू सीखा है।

विद्युत ने कहा, मेरे पास फिलहाल अभी तक इसे लेकर कोई आइडिया नहीं है कि इसे कैसे प्रस्तुत किया जाना चाहिए, लेकिन भारतीय सिनेमा के प्रति मेरा नजरिया यह है कि लोगों को मार्शल आर्ट के बारे में कलरीपायट्टू के बारे में बात करनी चाहिए। यह एक मूल भारतीय मार्शल आर्ट है।

पर्दे पर कलरीपायट्टू को लोकप्रिय बनाने को लेकर उन्होंने कहा, जब भी मैं जैकी चैन से कोई पुरस्कार लेने जाता हूं, और जब वे भारतीय मार्शल आर्ट कलरीपायट्टू की बात करते हैं, तो मुझे गर्व महसूस होता है। दुनियाभर में भारतीय एक्शन सिनेमा के लिए मेरा नजरिया यही है कि हमें इसे प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

कमांडो फ्रेंचाइजी फिल्मों से प्रसिद्धि पाने वाले विद्युत ने महसूस किया है कि आज विश्व स्तर पर जो कई लोकप्रिय चीजें हैं, वास्तव में वह भारत में उत्पन्न हुई हैं।

उन्होंने कहा, जब मैं भाले पर लेट जाता हूं, तो वे कहते हैं, शाओलिन मॉन्क्स भी ऐसा करते हैं। शाओलिन मॉन्क्स इसलिए करते हैं, क्योंकि उन्होंने इसे बोधिधर्म नामक एक भारतीय व्यक्ति से सीखा था। मैं बस इतना चाहता हूं कि हर कोई जागरूक रहे। लोगों को पता होना चाहिए कि मार्शल आर्ट एक भारतीय कौशल है, और यही मेरा नजरिया है।

अभिनेता को हाल ही में डिजिटल मंच पर रिलीज फिल्म खुदा हाफिज में देखा गया था। वह अगली बार फिल्म के दूसरे अध्याय में दिखाई देंगे।

अनन्या पांडे की ग्लैमरस तस्वीर ने सोशल मीडिया में लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे पूरे लॉकडाउन में लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली सेलेब्रिटीज में शुमार हैं। वैसे तो अनन्या आए दिन अपनी नई नई तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। लेकिन अब अनन्या पांडे ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। अनन्या इस नए फोटोशूट में गजब की ग्लैमरस नजर आ रही हैं। ब्लैक टॉप और आर्मी पैंट में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरें देखकर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अनन्या को बॉलीवुड की मोस्टी ब्यूटीफुल और स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में शुमार किया जाता है। अनन्या के इंस्टाग्राम पर अच्छे-खासे फॉलोअर्स हैं, जो उनकी इन तस्वीरों पर ढेरों कमेंट्स करते हैं। अनन्या अब अपनी आगामी फिल्म खाली पीली के प्रमोशन में बिजी हो गई हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।